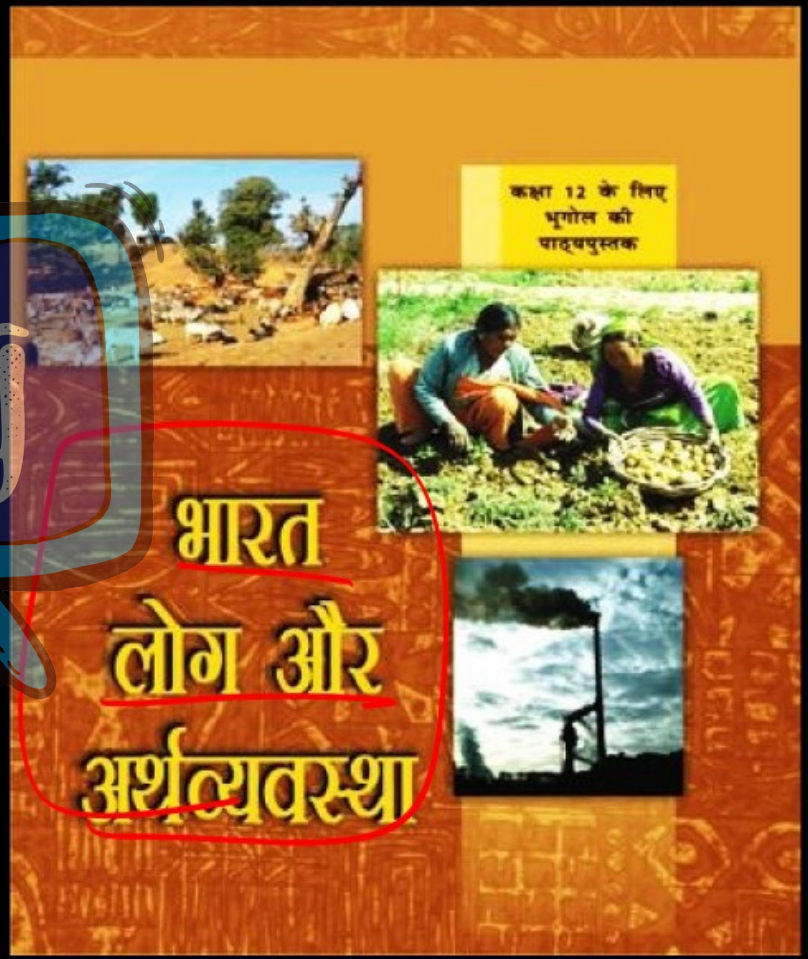
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भारत की जनसंख्या

जनगणना - 2011

1

121 करोड़ (जनसंख्या)

1. चीन
2. भारत
3. U.S.A
4. इण्डोनेशिया
5. ब्राजील



2011 → 121 करोड़

① चीन

② भारत

भारत की जनसंख्या

121.0 करोड़ (2011) जनसंख्या

चीन के बाद विश्व में दूसरा स्थान

उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका और आस्ट्रेलिया की जनसंख्या से अधिक

सामाजिक, आर्थिक समस्याओं के लिए उत्तरदायी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जनसंख्या का अध्ययन → डेमोग्राफी (जनांकिकी)

→ जनगणना प्रति 10 वर्ष।

प्रथम जनगणना → 1872 (लार्ड मेयो)

नियमानुसार जनगणना → 1881 (लार्ड रिपन)

→ 2011 में संपन्न जनगणना → 15 (कुल)

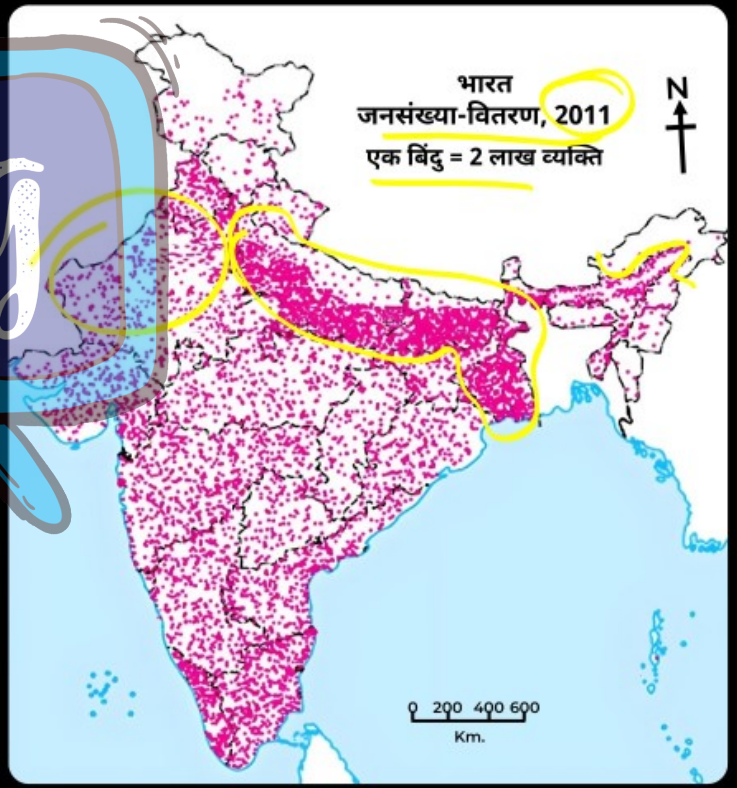
→ नियमानुसार जनगणना → 15 वीं

जनसंख्या आँकड़ों के स्रोत

- जनगणना : प्रति दस वर्ष बाद
- भारत की पहली जनगणना 1872 ई.
- पहली संपूर्ण जनगणना 1881 ई.

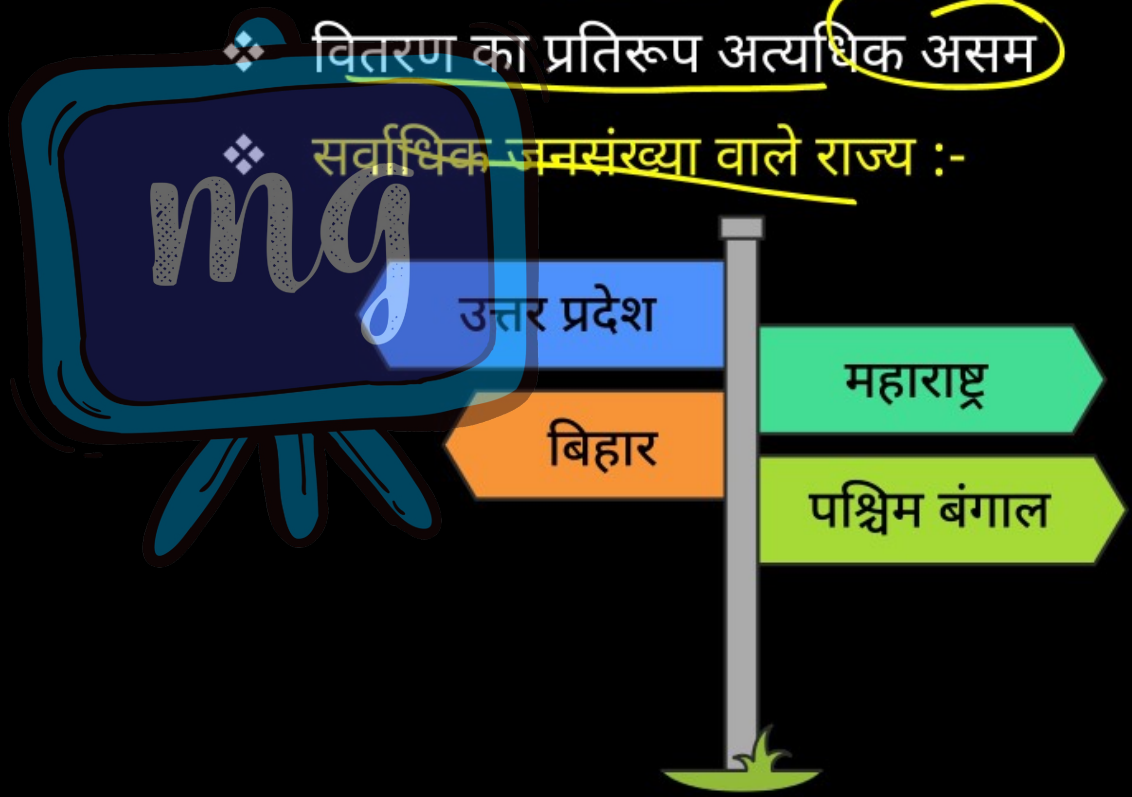


जनसंख्या का वितरण



जनसंख्या का वितरण

- वितरण का प्रतिरूप अत्यधिक असम
- सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य :-




mg

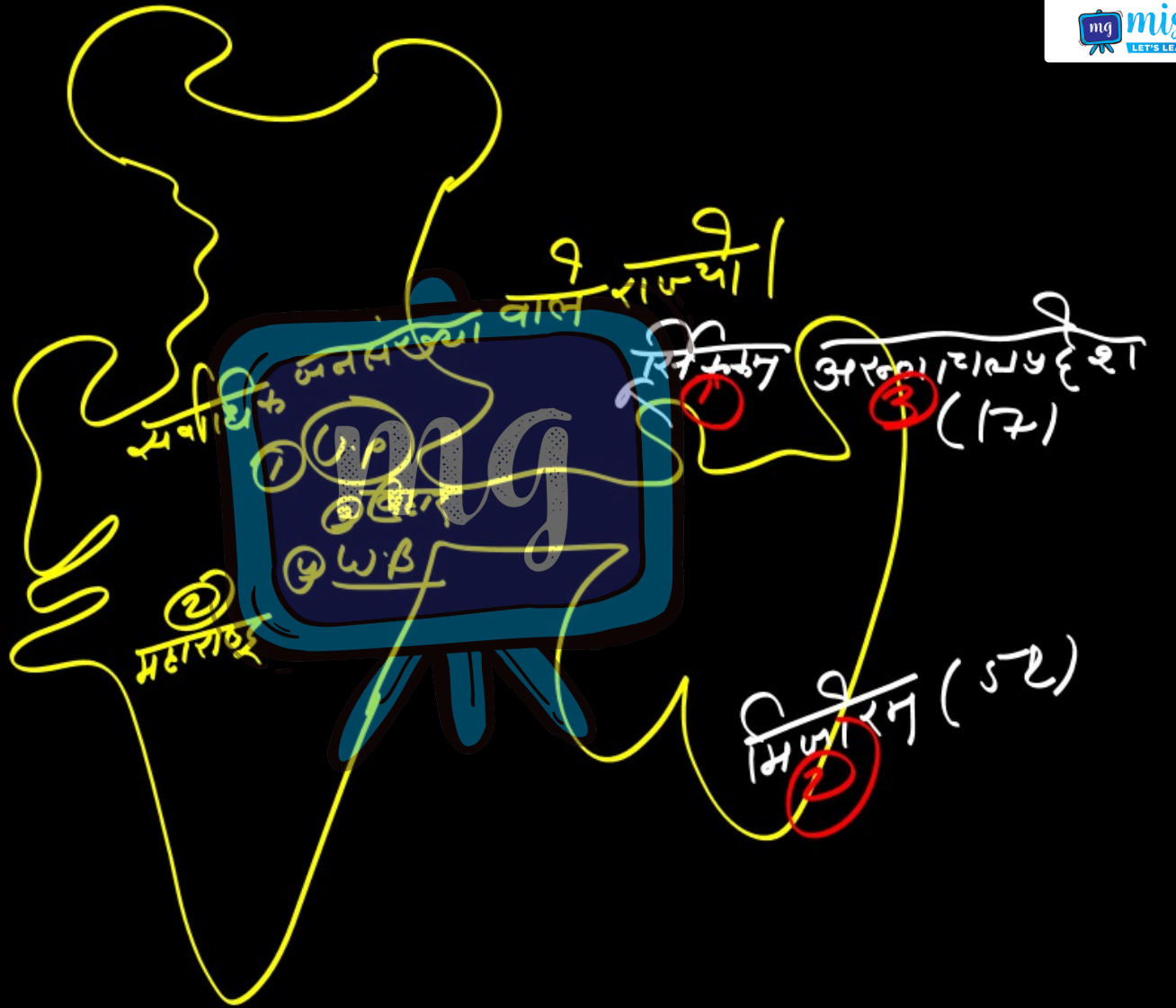
जनघनत्व → प्रति 1 km^2 में निवास करने वाली जनसंख्या के घनत्व को जनघनत्व कहते हैं।

→ भारत का जनघनत्व → 382/km^2

→ सर्वाधिक

① बिहार
② W.B
③ केरल

① अरुणाचल प्रदेश (17)
② मेघालय (52)
③ मिजोरम (86)


सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्यों
1
2
अरुणाचल प्रदेश
(17)
मिजोरम (5वें)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कुल जनसंख्या का 76 प्रतिशत भाग

- उत्तर प्रदेश
- महाराष्ट्र
- बिहार
- पश्चिम बंगाल
- आंध्र प्रदेश
- तमिलनाडु
- मध्य प्रदेश
- राजस्थान
- कर्नाटक
- गुजरात

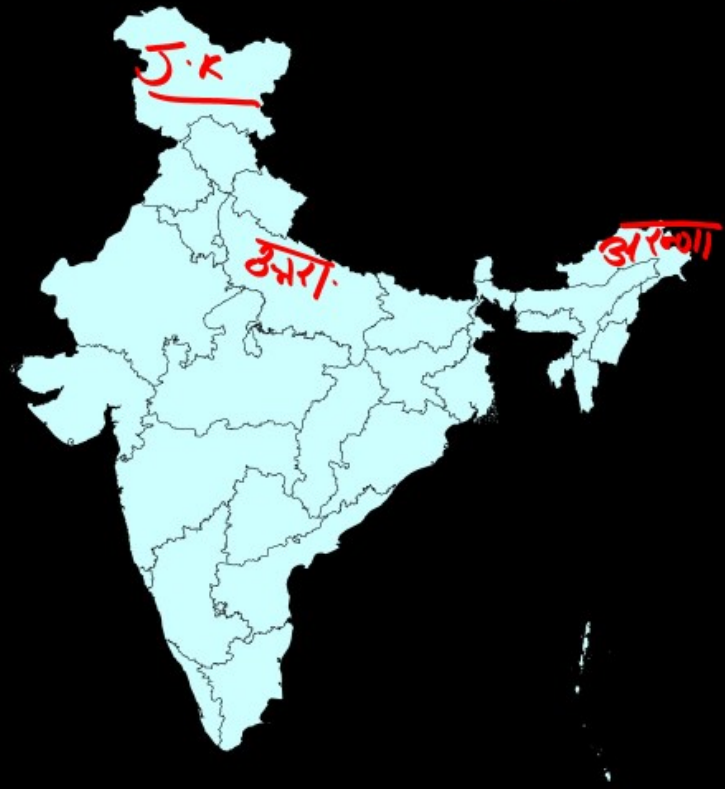


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विशाल भौगोलिक क्षेत्र : अत्यंत कम जनसंख्या

- जम्मू और कश्मीर - 1.04%
- अरुणाचल प्रदेश - 0.84%
- उत्तराखण्ड - 0.83%



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

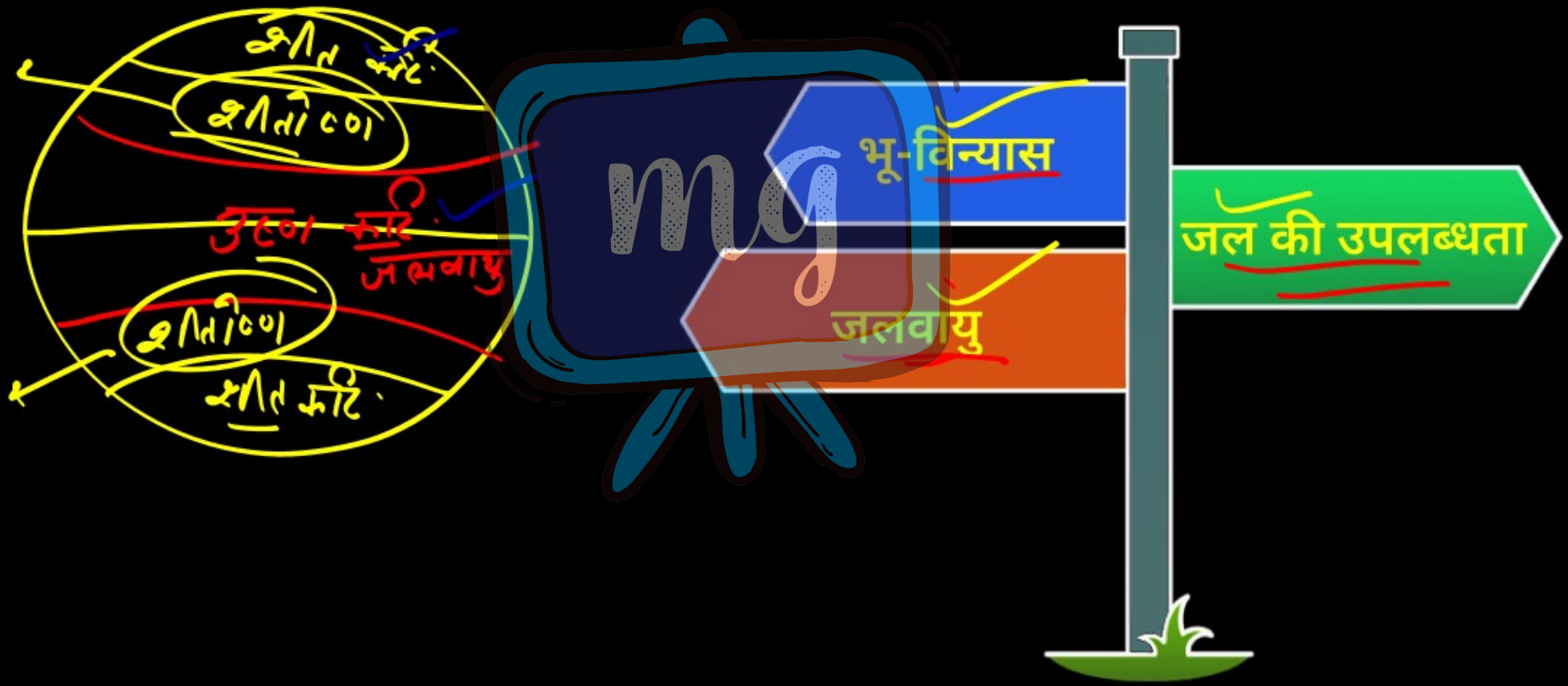
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

जनसंख्या का ऐसा असम स्थानिक वितरण देश की जनसंख्या और भौतिक, सामाजिक, आर्थिक तथा ऐतिहासिक कारकों के बीच घनिष्ठ संबंध प्रकट करता है।



जनसंख्या का वितरण : भौतिक कारक



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सघन जनसंख्या क्षेत्र

1. उत्तर भारत के मैदान
2. डेल्टाई क्षेत्र
3. तटीय मैदान

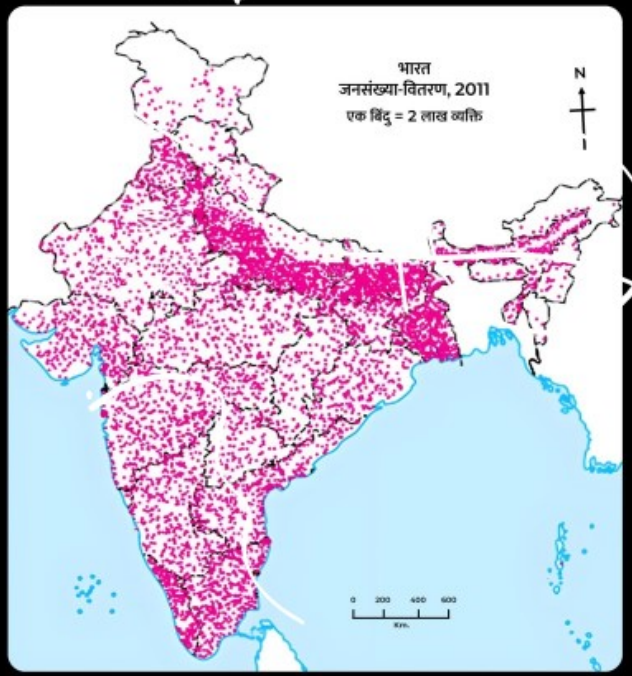
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विरल जनसंख्या क्षेत्र

- दक्षिणी और मध्य भारत के राज्यों के आंतरिक जिले
- हिमालयी राज्य
- उत्तर-पूर्वी राज्य
- पश्चिमी राज्य

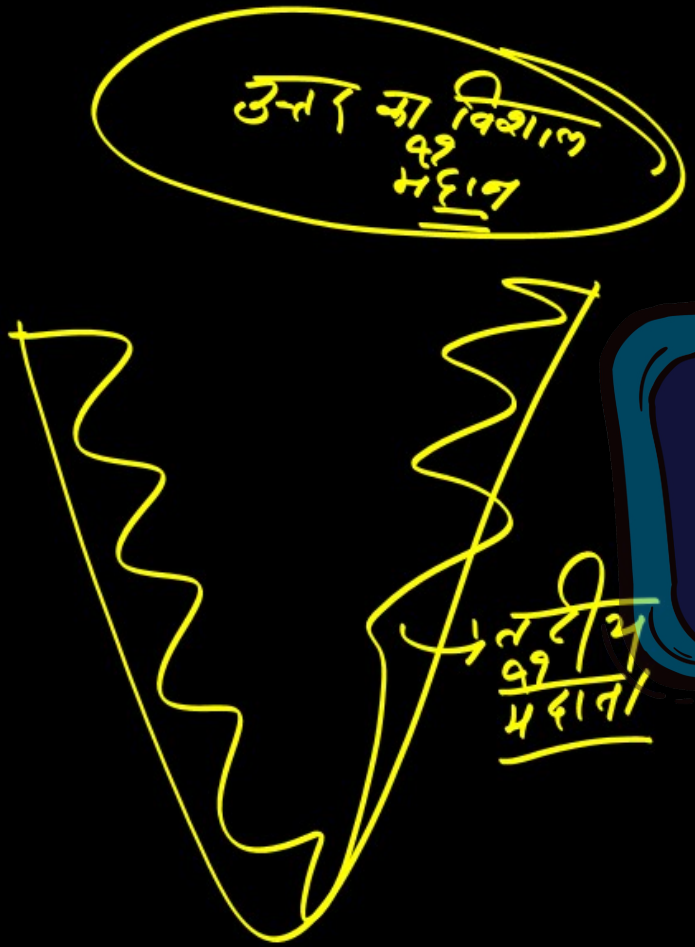


जनसंख्या का वितरण : सामाजिक, आर्थिक और ऐतिहासिक कारक

- स्थायी कृषि का उद्भव
- कृषि विकास
- मानव बस्ती के प्रतिरूप
- परिवहन जाल-तंत्र का विकास
- औद्योगीकरण और नगरीकरण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नदीय मैदान और तटीय क्षेत्र

- विशाल जनसंख्या सांद्रण वाले प्रदेश
- जमीन और जल का निम्नीकरण
- मानव बस्ती के आरंभिक इतिहास
- परिवहन जाल-तंत्र का विकास

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

औद्योगिक विकास और नगरीकरण

दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलूरु, पुणे, अहमदाबाद, चेन्नई और जयपुर

बड़ी संख्या में ग्रामीण-नगरीय प्रवासियों को आकर्षित

जनसंख्या का उच्च सांद्रण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

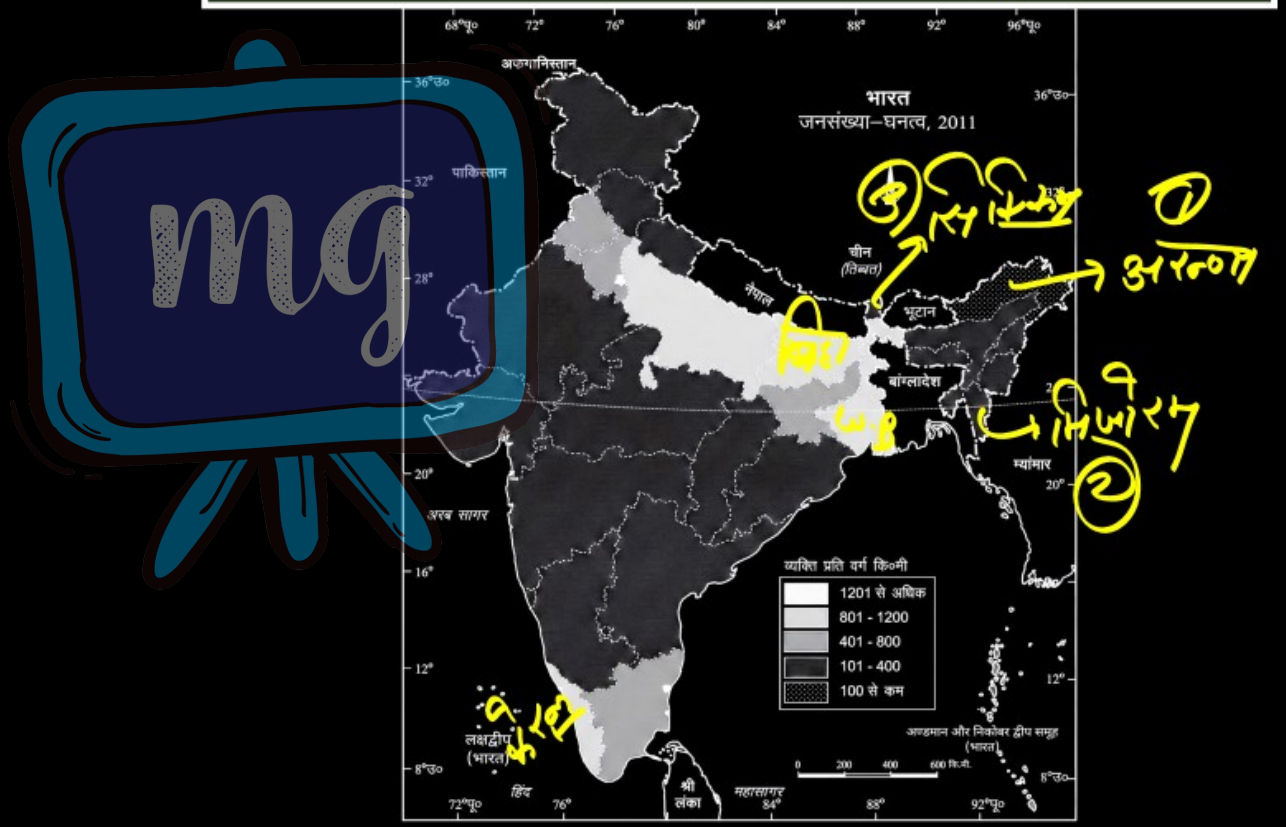
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जनसंख्या घनत्व

- प्रति इकाई क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या द्वारा अभिव्यक्त
- भूमि के संदर्भ में जनसंख्या के स्थानिक वितरण



भारत का जनसंख्या घनत्व



भारत का जनसंख्या घनत्व

- 1951 : 117 व्यक्ति/वर्ग कि.मी.
- 2011 : 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.

विगत 50 वर्षों में 200 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. से अधिक की उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

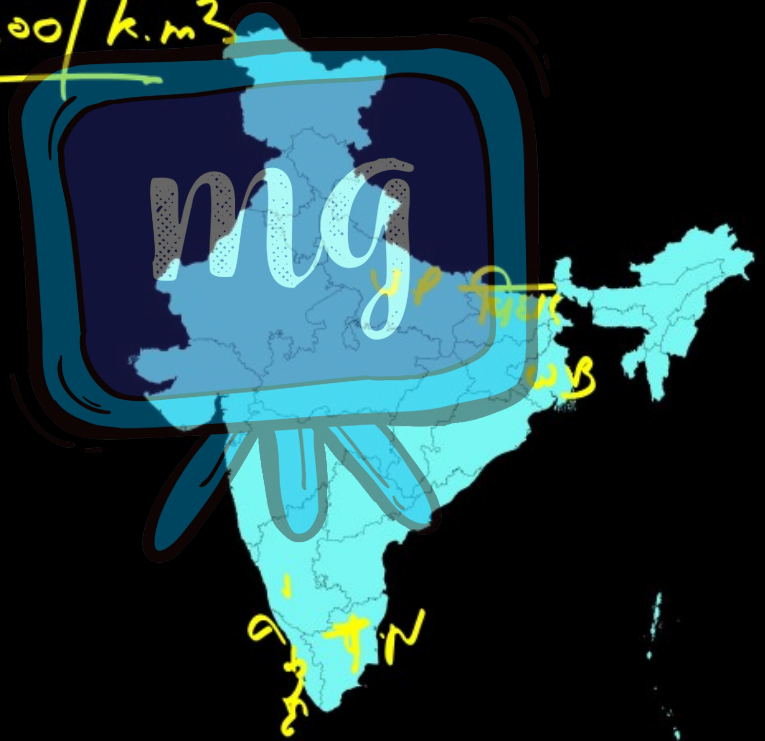
जनसंख्या घनत्व में स्थानिक भिन्नता

अधिकतम : दिल्ली –
11297 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.

न्यूनतम : अरुणाचल प्रदेश –
17 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.

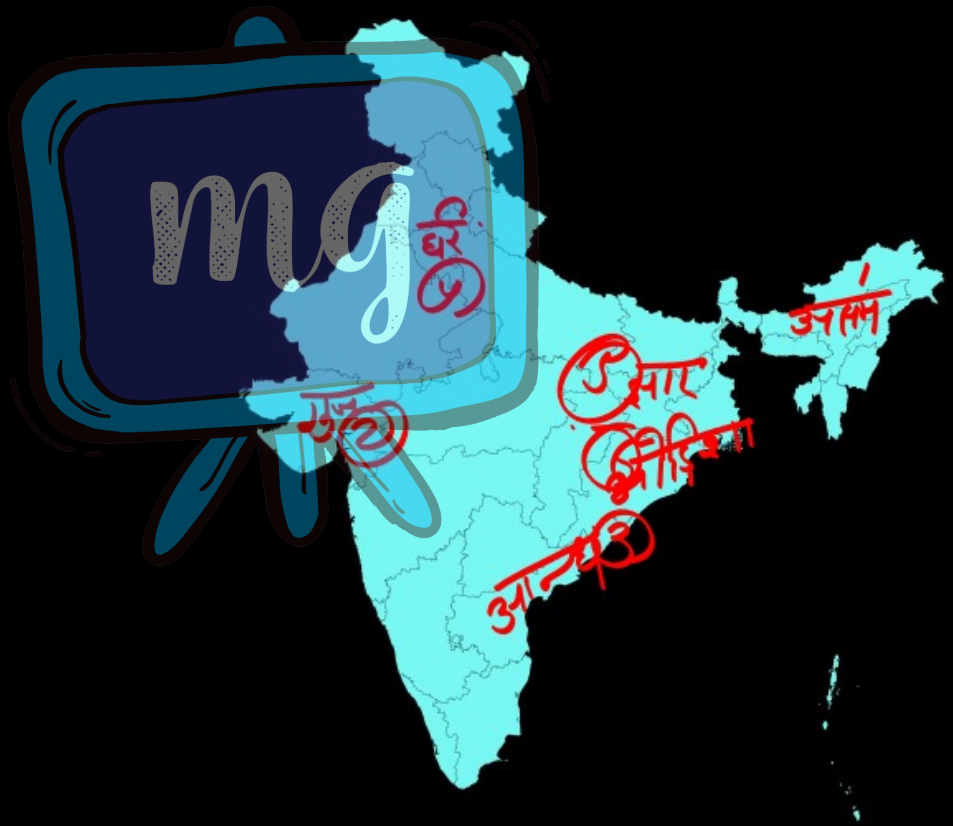
उच्चतर घनत्व

राजस्थान – 200/k.m²

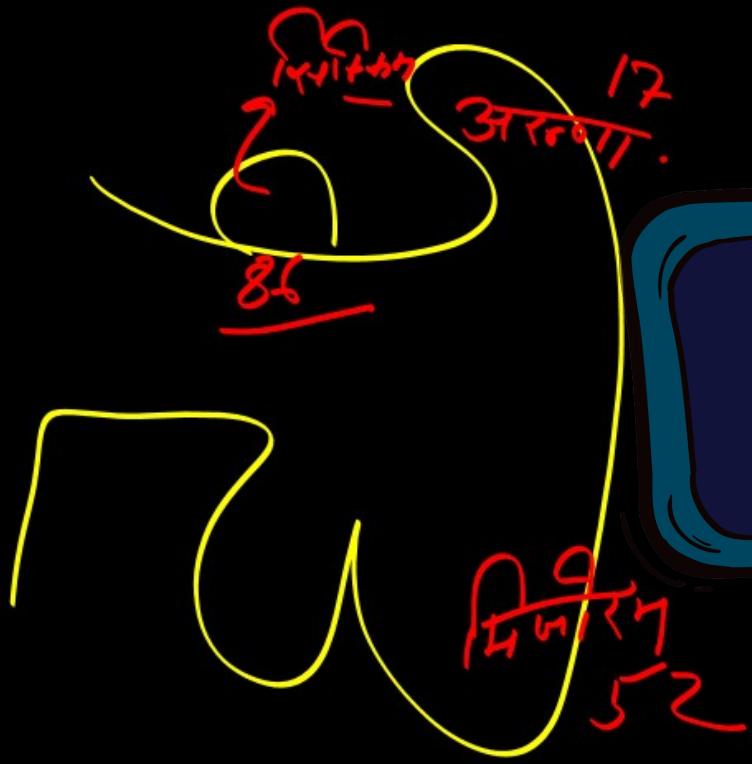


1. बिहार : 1102
2. पश्चिम बंगाल : 1029
3. केरल : 859
4. उत्तर प्रदेश : 828
5. तमिलनाडु : 555

मध्यम घनत्व



- असम
- गुजरात
- आंध्र प्रदेश
- हरियाणा
- झारखंड
- ओडिशा



निम्न घनत्व

हिमालय प्रदेश के पर्वतीय राज्य

असम के अलावा उत्तर-पूर्वी राज्य

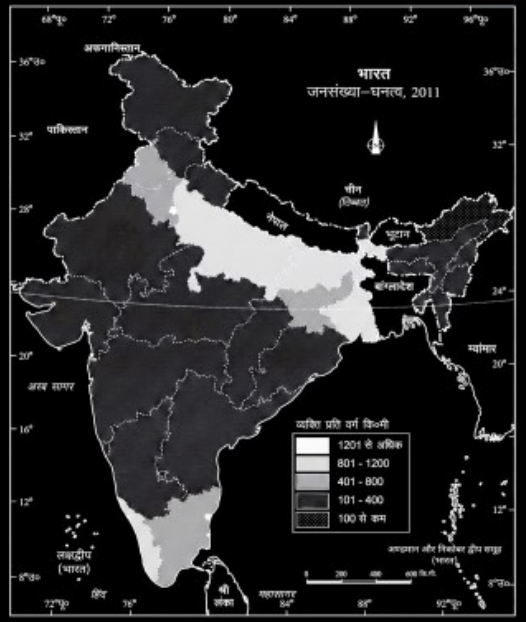
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

अंडमान और निकोबार द्वीपों को छोड़कर केंद्र-शासित प्रदेशों में जनसंख्या के उच्च घनत्व पाए जाते हैं।

अण्डमान - निकोबार



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कायिक और कृषीय घनत्व

कुल कृषित भूमि पर जनसंख्या के दबाव के संदर्भ में मानव भूमि अनुपात

विशाल कृषि जनसंख्या वाले देश के लिए सार्थक

कृषि जनसंख्या में कृषक, कृषि मजदूर और उनके परिवार के सदस्य सम्मिलित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

① कार्षिक घनत्व →

$$\frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{निवल कृषित क्षेत्र}}$$

② कृषीय घनत्व →

$$\frac{\text{कुल कृषि जनसंख्या}}{\text{निवल कृषित क्षेत्र}}$$

कायिक घनत्व =

कुल जनसंख्या / निवल कृषित क्षेत्र

कृषीय घनत्व =

कुल कृषि जनसंख्या / निवल कृषित क्षेत्र



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मालपुरा

2001 — 2011

1 लाख → 1 लाख 10 हजार

वृद्धि → 10 हजार

जनसंख्या की वृद्धि

दो समय बिंदुओं के बीच किसी क्षेत्र विशेष में रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन



जनसंख्या वृद्धि दर प्रतिशत में अभिव्यक्त

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जनसंख्या वृद्धि के घटक

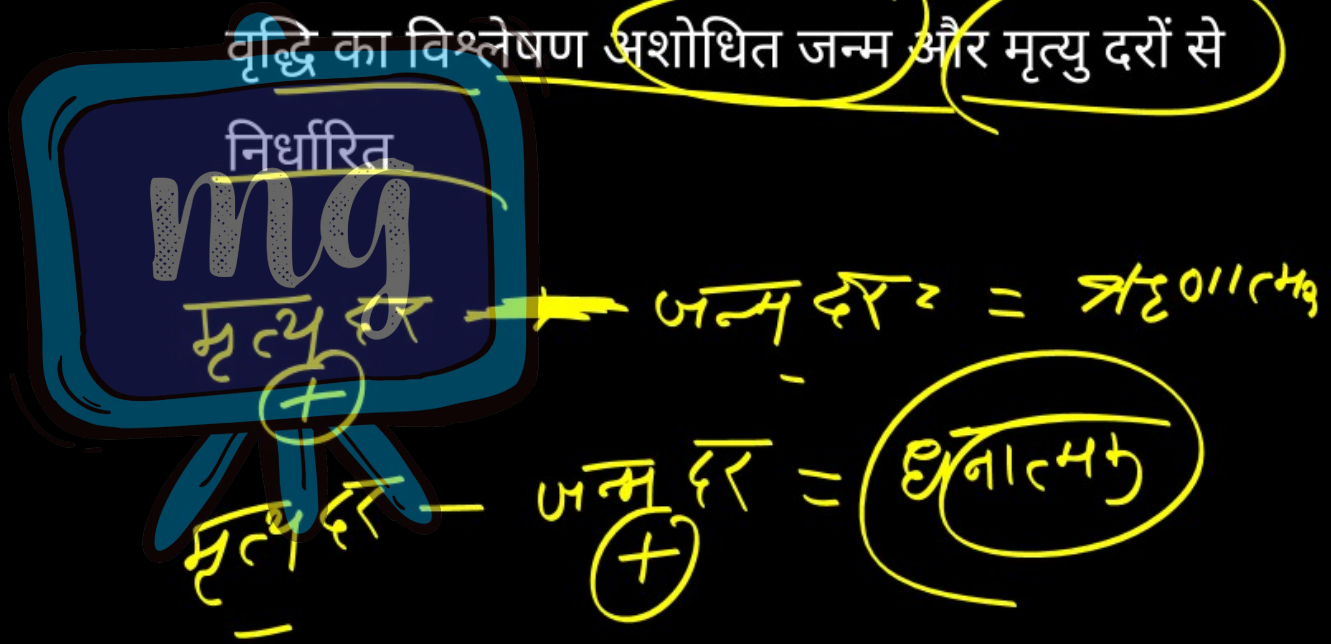
1. प्राकृतिक (Natural)

2. अभिप्रेरित (Induced)



1. प्राकृतिक वृद्धि

वृद्धि का विश्लेषण अशोधित जन्म और मृत्यु दरों से निर्धारित



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. अभिप्रेरित घटक

क्षेत्र में लोगों के अंतर्वर्ती और बहिर्वर्ती संचलन की प्रबलता



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

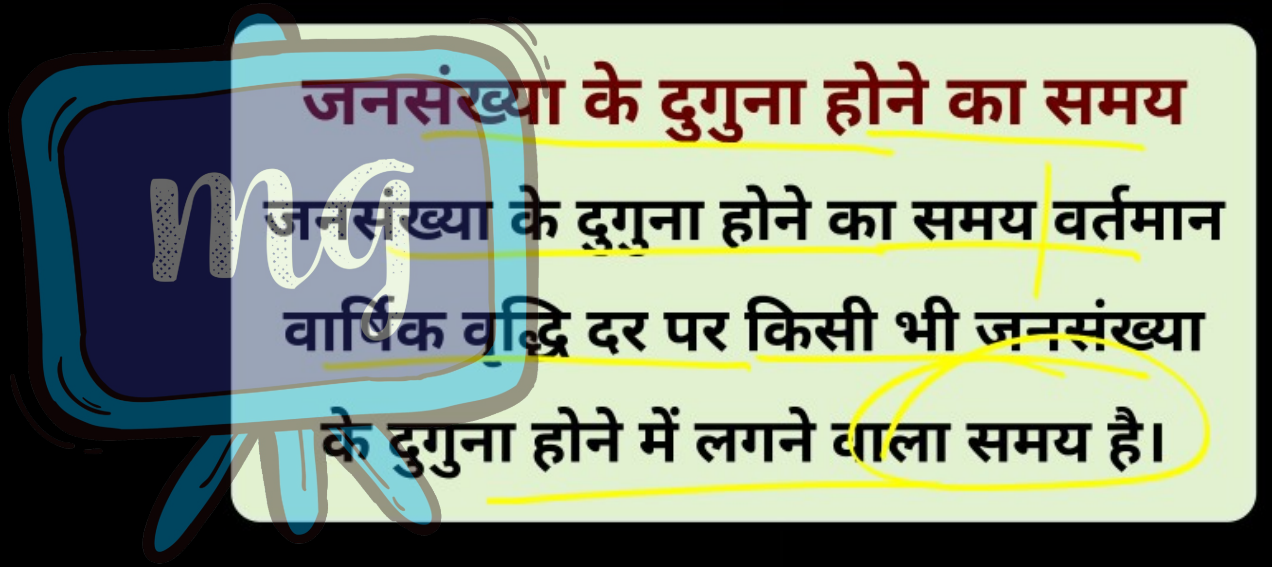
नोट

- भारत की जनसंख्या के दशकीय और वार्षिक वृद्धि दर बहुत ऊँचे हैं और समय के साथ नित्य बढ़ रहे हैं।
- भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1.64 प्रतिशत है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



दशकीय वृद्धि दर

- $g = P_2 - P_1 \times 100 / P_1$
- P_1 = आधार वर्ष की जनसंख्या, P_2 = वर्तमान वर्ष की जनसंख्या

P_1 → आधार वर्ष की जनसंख्या

P_2 → वर्तमान वर्ष

2001 ⇒ 10 लाख P_1

2011 → 12 लाख P_2



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तालिका 1.1 : भारत में दशकीय वृद्धि दर, 1901-2011

महान विभाजक वर्ष

जनगणना वर्ष	कुल जनसंख्या	वृद्धि दर	
		निरपेक्ष संख्या	वृद्धि का %
1901	238396327	_____	_____
1911	252093390	(+) 13697063	(+) 5.75
1921	251321213	(-) 772117	(-) 0.31
1931	278977238	(+) 27656025	(+) 11.60
1941	318660580	(+) 39683342	(+) 14.22
1951	361088090	(+) 42420485	(+) 13.31

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तालिका 1.1 : भारत में दशकीय वृद्धि दर, 1901-2011

महान हुल्लाग दशक

जनगणना वर्ष	कुल जनसंख्या	वृद्धि दर	
		निरपेक्ष संख्या	वृद्धि का %
1961	439234771	(+) 77682873	(+) 21.51
1971	548159652	(+) 108924881	(+) 24.80
1981	683329097	(+) 135169445	(+) 24.66
1991	846302688	(+) 162973591	(+) 23.85
2001	1028610328	(+) 182307640	(+) 21.54
2011**	1210193422	(+) 181583094	(+) 17.64

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दशकीय वृद्धि दर $g = \frac{P_2 - P_1}{P_1} \times 100$

जहाँ

P_1 = आधार वर्ष की जनसंख्या,

P_2 = वर्तमान वर्ष की जनसंख्या

स्रोत : भारत की जनगणना, 2011 (अंतरिम)

भारत में जनसंख्या की वृद्धि के कारण



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रावस्था-1 1901-1921

2 → 1921-51

3 - 51-81

4 - 81 - वर्तमान



प्रावस्था क : 1901 से 1921

प्रावस्था ख : 1921-1951

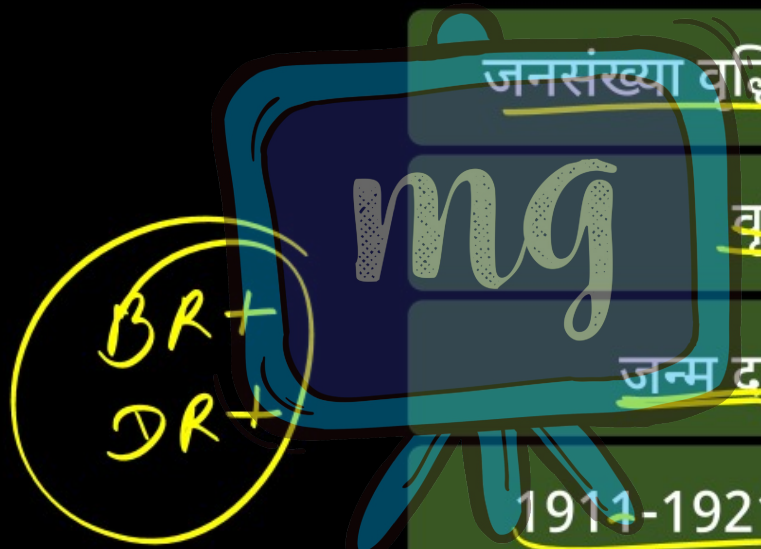
प्रावस्था ग : 1951-1981

प्रावस्था घ : 1981 से वर्तमान

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रावस्था क : 1901 से 1921



- जनसंख्या वृद्धि की रूद्ध अथवा स्थिर प्रावस्था
- वृद्धि दर अत्यंत निम्न
- जन्म दर और मृत्यु दर दोनों उच्च
- 1911-1921 के दौरान ऋणात्मक वृद्धि दर



निम्न स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाएँ

अधिकतर लोगों की निरक्षरता

भोजन और आधारभूत आवश्यकताओं का अपर्याप्त वितरण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रथम प्रावस्था → 1901-21

BR +
DR +
→ नकारात्मक वृद्धि दर

II प्रावस्था → 1921-51

DR −
BR +
→ वृद्धि उच्च।

प्रावस्था ख : 1921-1951

- जनसंख्या की स्थिर वृद्धि की अवधि
- स्वास्थ्य और स्वच्छता में व्यापक सुधार
- मृत्यु दर में कमी
- बेहतर परिवहन और संचार तंत्र
- वितरण प्रणाली में सुधार
- अशोधित जन्म दर उच्च

पिछली प्रावस्था की तुलना में वृद्धि दर उच्चतर

नोट

1920 के दशक की महान आर्थिक मंदी और द्वितीय विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि में यह वृद्धि दर प्रभावशाली थी।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

I

BR+
DR+
ऋणात्मक

II

BR+
DR- प्रथम की तुलना ऋणात्मक

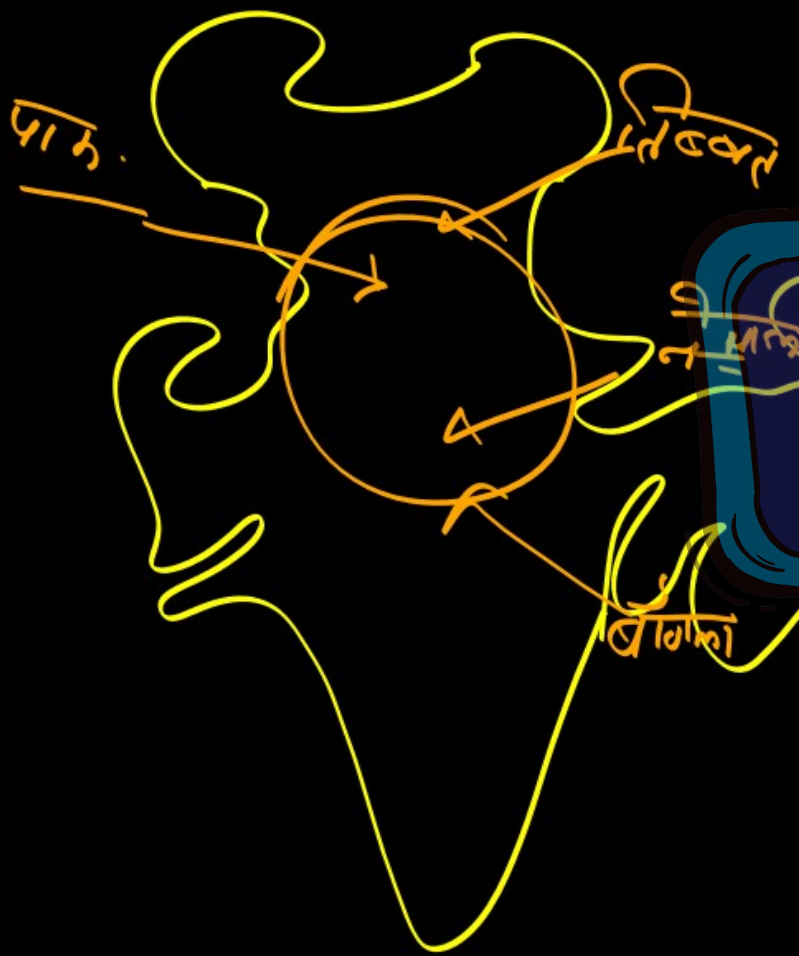
III 1951-81
विस्फोट वृद्धि।
दूसरा BR+
DR-
2.2 %

प्रावस्था ग : 1951-1981

भारत में जनसंख्या विस्फोट की अवधि
मृत्यु दर में तीव्र ह्रास
जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर
औसत वार्षिक वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जनसंख्या विस्फोट के कारण

- एक केंद्रीकृत नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से विकासात्मक कार्य
- अधिकांश लोगों के जीवन की दशाओं में सुधार सुनिश्चित हुआ
- अंतर्राष्ट्रीय प्रवास :

तिब्बत से	बांग्लादेश से
नेपाल से	पाकिस्तान से

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रावस्था घ : 1981 से वर्तमान

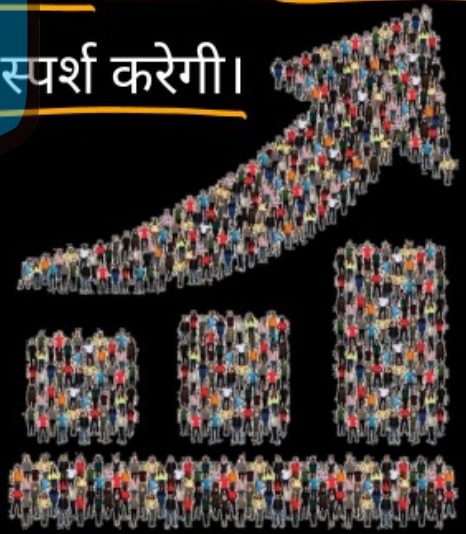
- वृद्धि दर उच्च रही,
  परंतु धीरे-धीरे मंद गति से घटने लगी
- जनसंख्या वृद्धि के लिए अशोधित
  जन्म दर की अधोमुखी प्रवृत्ति उत्तरदायी
- विवाह के समय औसत आयु में वृद्धि
- जीवन की गुणवत्ता विशेष रूप से स्त्री
  शिक्षा में सुधार से प्रभावित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

- देश में जनसंख्या की वृद्धि दर अभी भी ऊँची है।
- विश्व विकास रिपोर्ट द्वारा यह प्रक्षेपित किया गया है कि 2025 ई. तक भारत की जनसंख्या 135 करोड़ को स्पर्श करेगी।



जनसंख्या वृद्धि में क्षेत्रीय भिन्नताएँ

- देश में एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में वृद्धि दर में विस्तृत भिन्नताएँ
- 1991-2001 के दौरान भारत के राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में जनसंख्या की वृद्धि दर का सुस्पष्ट प्रतिरूप



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निम्न वृद्धि दर

दशकीय वृद्धि 20 प्रतिशत तक

केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पुदुच्चेरी और गोआ

केरल (9.4) में पूरे देश में निम्नतम वृद्धि दर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उच्च वृद्धि दर

- औसत वृद्धि दर 20-25 प्रतिशत
- उत्तर-पश्चिमी, उत्तरी और उत्तर-मध्य भागों में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, सिक्किम, असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ और झारखंड

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1991-2001 की तुलना में 2001-2011 में दशकीय वृद्धि दर में कमी

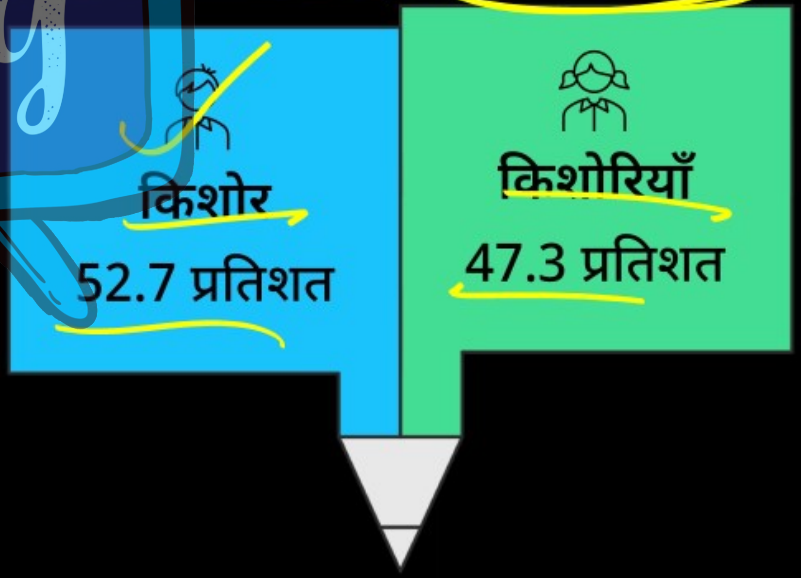
सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पिछले दशक (1991-2001) की तुलना में जनसंख्या - वृद्धि दर धीमी

- आंध्र प्रदेश में 3.5%
- महाराष्ट्र में 6.7%
- तमिलनाडु में 3.9%
- पुडुच्चेरी में 7.1%

किशोर जनसंख्या

किशोर जनसंख्या
10 to 19

- 10-19 वर्ष का आयु वर्ग
- 2011 की जनगणना में 20.9 प्रतिशत



नोट

किशोर जनसंख्या, यद्यपि उच्च संभावनाओं से युक्त युवा जनसंख्या समझी जाती है, यदि उन्हें समुचित ढंग से मार्गदर्शित और दिशा निर्देशित न किया जाए तो वे काफ़ी सुभेद्य भी होते हैं।



किशोर जनसंख्या से संबंधित चुनौतियाँ

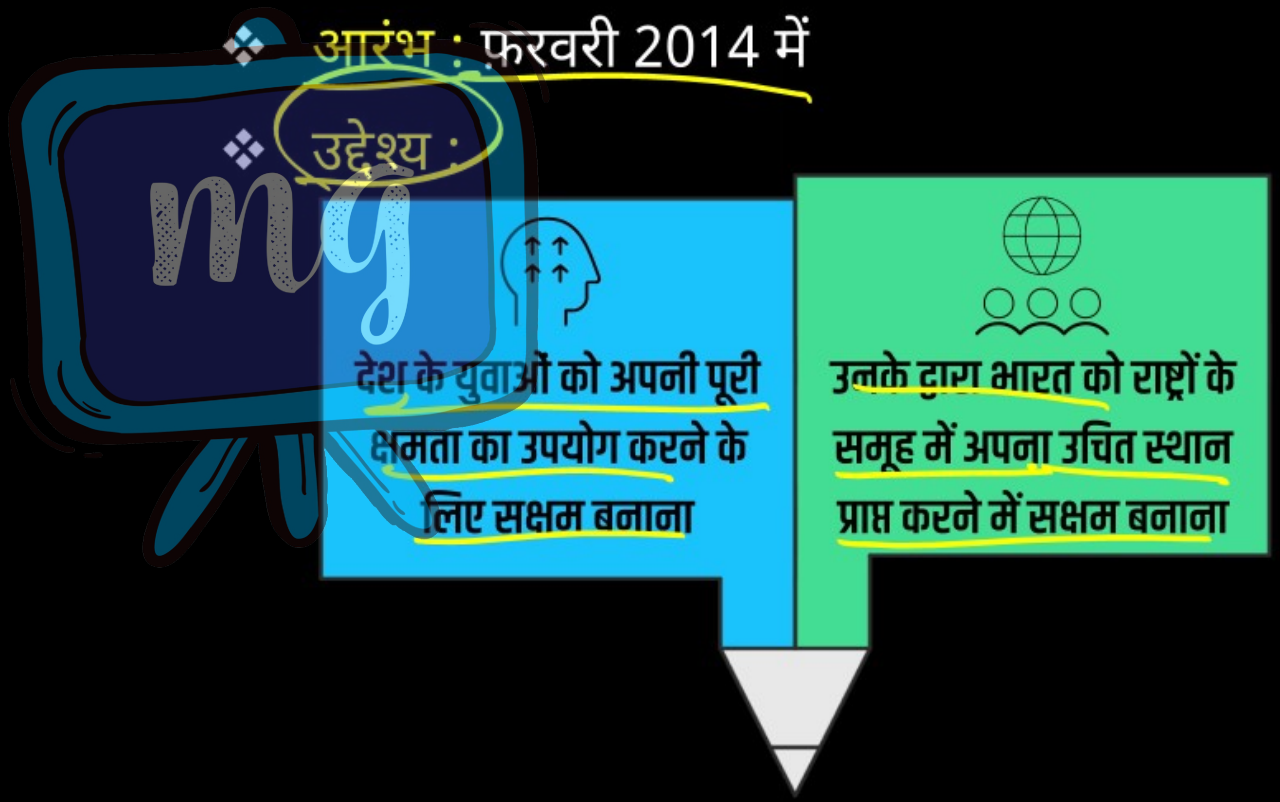
- विवाह की निम्न आयु
- निरक्षरता, विशेषतः स्त्री निरक्षरता
- विद्यालय विरतछात्र
- पोषकों की निम्न ग्राह्यता
- किशोरी माताओं में उच्च मात मृत्यु दर
- एच.आई.वी./ एड्स के संक्रमण की उच्च दरें
- शारीरिक व मानसिक अपंगता अथवा मंदता
- औषध दुरुपयोग और मदिरा सेवन
- किशोर अपचार और अपराध करना

राष्ट्रीय युवा नीति (NYP-2014)



राष्ट्रीय युवा नीति (NYP-2014)

- आरंभ : फ़रवरी 2014 में
- उद्देश्य :



किशोर
10 - 19

युवा

15 - 29

राष्ट्रीय युवा नीति 2014, 15-29 वर्ष के आयु समूह के व्यक्ति को 'युवा' के रूप में परिभाषित करती है।

कौशल विकास तथा उद्यमिता नीति

- भारत सरकार ने 2015 में निर्मित

- उद्देश्य :

  - देश भर में हो रही कौशल से संबंधित गतिविधियों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करना
  - सभी गतिविधियों को एक मानक के साथ बाँधना
  - विभिन्न विभिन्न कौशलों कौशलों को इनके भाग-केंद्रों के साथ जोड़ना

नोट

देश में दिक् और काल के संदर्भ में जनसंख्या की वृद्धि दर में व्यापक भिन्नता पाई जाती है, जो जनसंख्या की वृद्धि से संबंधित अनेक सामाजिक समस्याओं को उजागर करती है।



जनसंख्या संघटन

जनसंख्या वृद्धि प्रतिरूपों की बेहतर अंतर्दृष्टि जानने के लिए यह आवश्यक

जनसंख्या भूगोल के अंतर्गत अध्ययन का एक सुस्पष्ट क्षेत्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

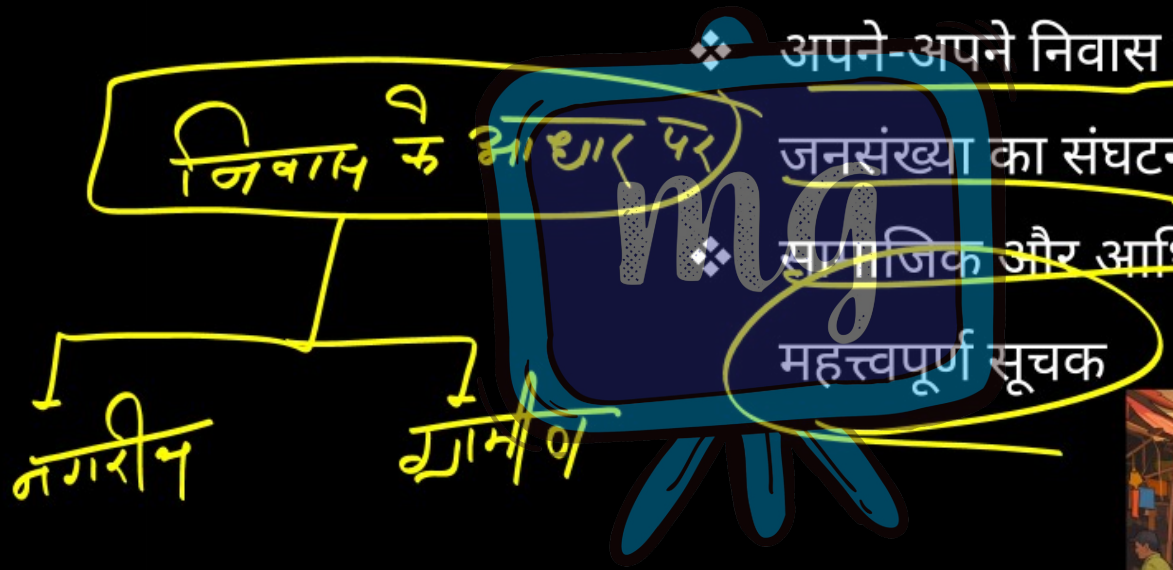
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जनसंख्या संघटन में अध्ययन

- आयु व लिंग का विश्लेषण
- निवास का स्थान
- मानवजातीय लक्षण
- जनजातियाँ
- भाषा और धर्म
- वैवाहिक स्थिति
- साक्षरता और शिक्षा
- व्यावसायिक विशेषताएँ

ग्रामीण-नगरीय संघटन

- अपने-अपने निवास के स्थानों के अनुसार जनसंख्या का संघटन
- सामाजिक और आर्थिक विशेषताओं का एक महत्त्वपूर्ण सूचक





जनगणना 2011

- कुल जनसंख्या का 68.8 प्रतिशत भाग ग्रामीण
- भारत में गाँव : 6,40,867
- बसे हुए गाँव : 5,97,608 (93.2 प्रतिशत)



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण जनसंख्या का वितरण असमान

- हिमाचल प्रदेश और बिहार में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत बहुत अधिक
- गोआ और मिजोरम राज्यों की कुल जनसंख्या का आधे से कुछ अधिक भाग ग्रामीण



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

केंद्र-शासित प्रदेशों में ग्रामीण जनसंख्या

- दादरा और नगर हवेली : 53.38 प्रतिशत
- शेष केंद्र-शासित प्रदेश : लघु अनुपात

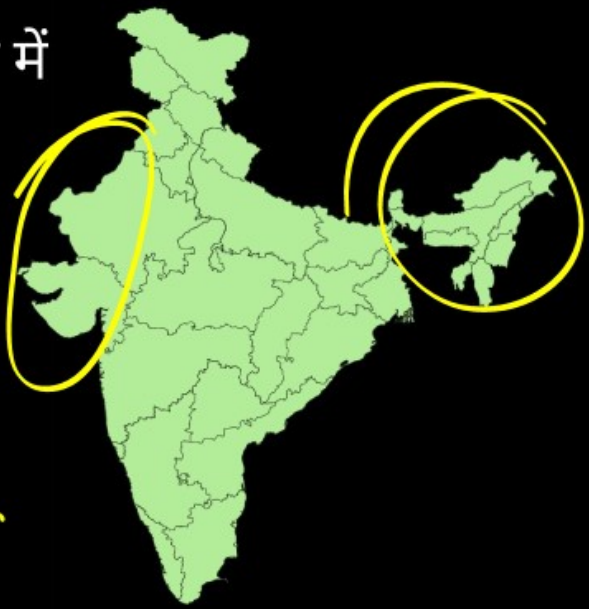


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

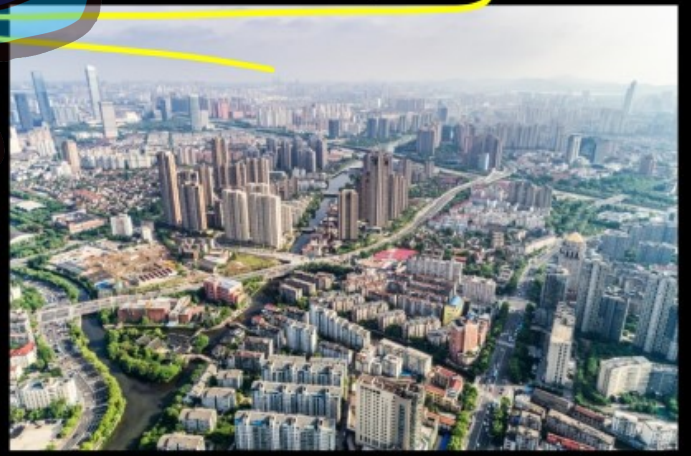
गाँवों का आकार

- लघु आकार :
  - उत्तर-पूर्वी भारत के पहाड़ी राज्यों में
  - पश्चिमी राजस्थान में
  - कच्छ के रन में
- वृहद आकार :
  - केरल व महाराष्ट्र के कुछ भागों में



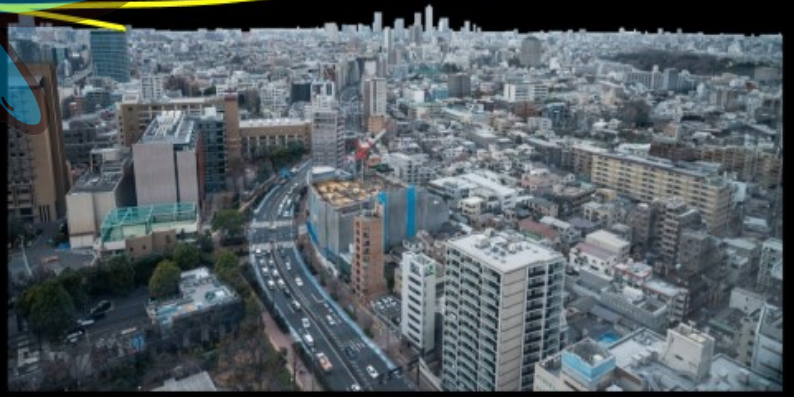
नोट

अंतर-राज्य और अंतः राज्य दोनों स्तरों पर नगरीकरण का सापेक्षिक परिमाण और ग्रामीण-नगरीय प्रवास का विस्तार ग्रामीण जनसंख्या के सांद्रण को नियंत्रित करते हैं।



नगरीय जनसंख्या

- नगरीय जनसंख्या : 31.16 प्रतिशत
- नगरीय जनसंख्या की वृद्धि दर संवृद्ध आर्थिक विकास और स्वास्थ्य संबंधी दशाओं में सुधार के कारण तेजी से बढ़ी है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण नगरीय
68.8% 31.16%

नोट

कुल जनसंख्या की भाँति नगरीय जनसंख्या के वितरण में भी देश भर में भिन्नताएँ पाई जाती हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण-नगरीय प्रवास सुस्पष्ट

उत्तरी भारत के मैदानों में मुख्य सड़कों के मिलन बिंदु



रेलमार्गों से सटे हुए नगरीय क्षेत्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण-नगरीय प्रवास सुस्पष्ट

कोलकाता, मुंबई	बेंगलूरु-मैसूरु	मदुरै-कोयम्बटूर
अहमदाबाद-सूरत	दिल्ली, कानपुर	लुधियाना-जालंधर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



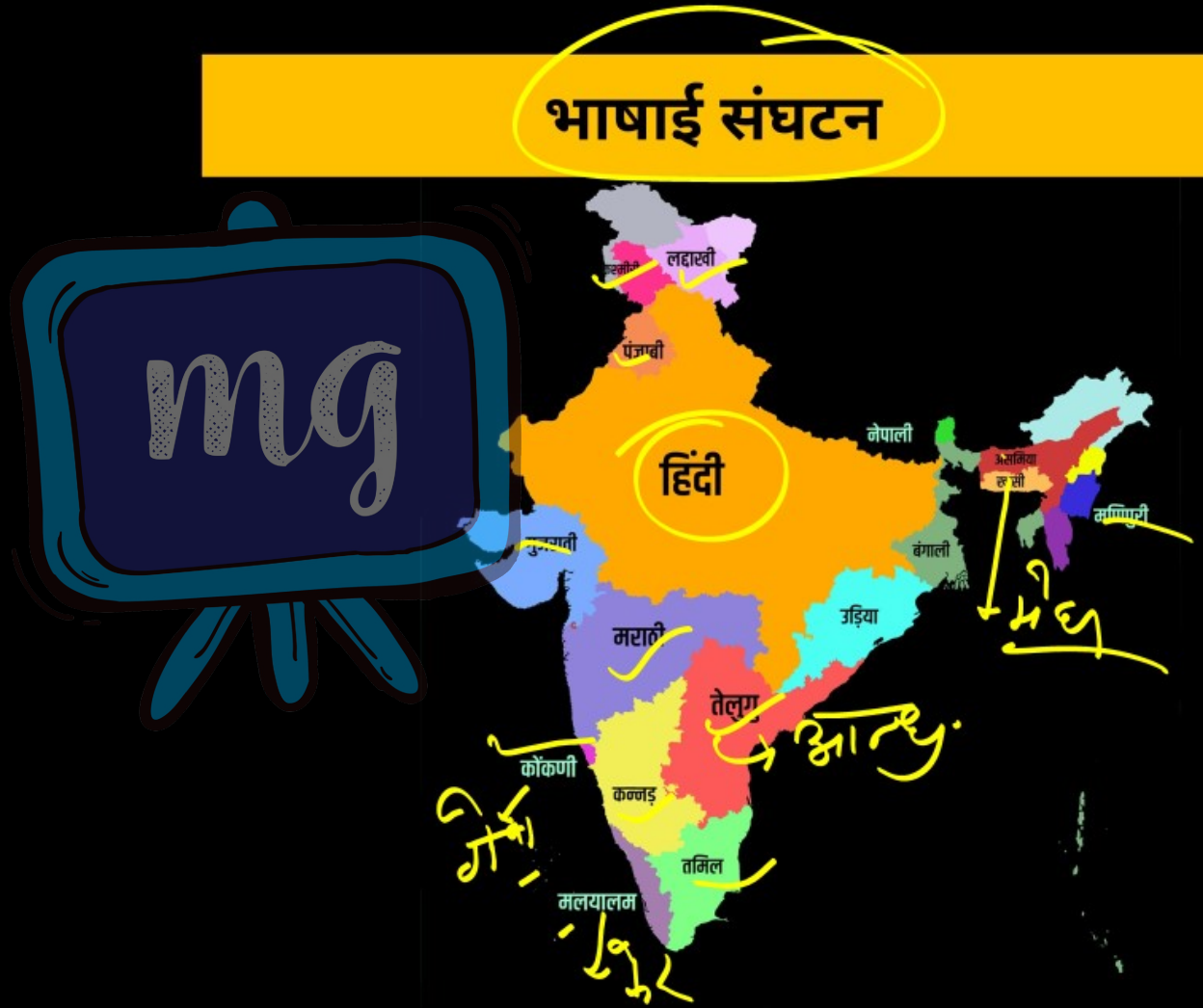
नगरीकरण का निम्न स्तर

1. मध्य और निम्न गंगा के मैदान
2. तेलंगाना व असंचित पश्चिमी राजस्थान
3. उत्तर-पूर्व के पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्र
4. प्रायद्वीपीय भारत के बाढ़ संभावित क्षेत्र
5. मध्य प्रदेश के पूर्वी भाग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भाषाई संघटन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भाषाई संघटन

- भारत भाषाई विविधता की भूमि
- आधुनिक भारत में 22 भाषाएँ अनुसूचित और अनेक भाषाएँ गैर-अनुसूचित

अनुसूची-8 में 22 भाषाएँ



भाषाई संघटन


लद्दाखी
पंजाबी
हिंदी
नेपाली
असमिया
खासी
मणिपुरी
गुजराती
बंगाली
उड़िया
मराठी
तेलुगु
कोंकणी
कन्नड़
तमिल
मलयालम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भाषाई संघटन

- भारत भाषाई विविधता की भूमि
- आधुनिक भारत में 22 भाषाएँ अनुसूचित और अनेक भाषाएँ गैर-अनुसूचित

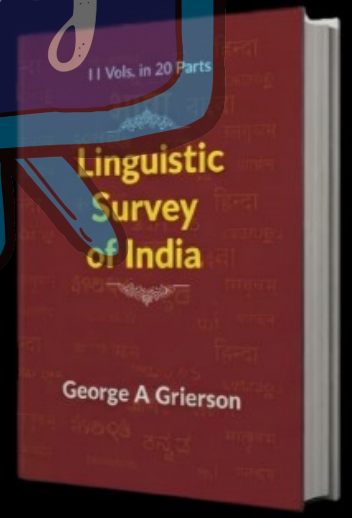


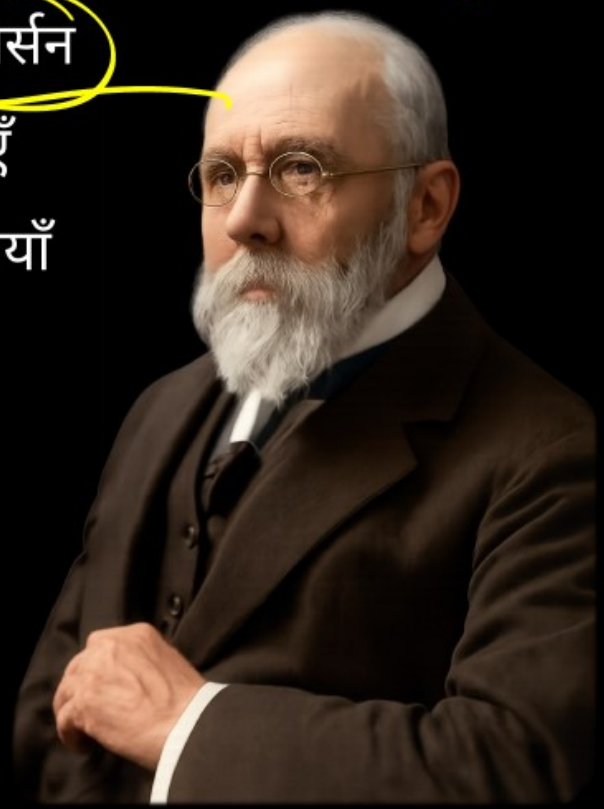
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत का भाषाई सर्वेक्षण, 1903-1928

- सर्वेक्षणकर्ता : ग्रियर्सन
- देश में 179 भाषाएँ
- लगभग 544 बोलियाँ





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

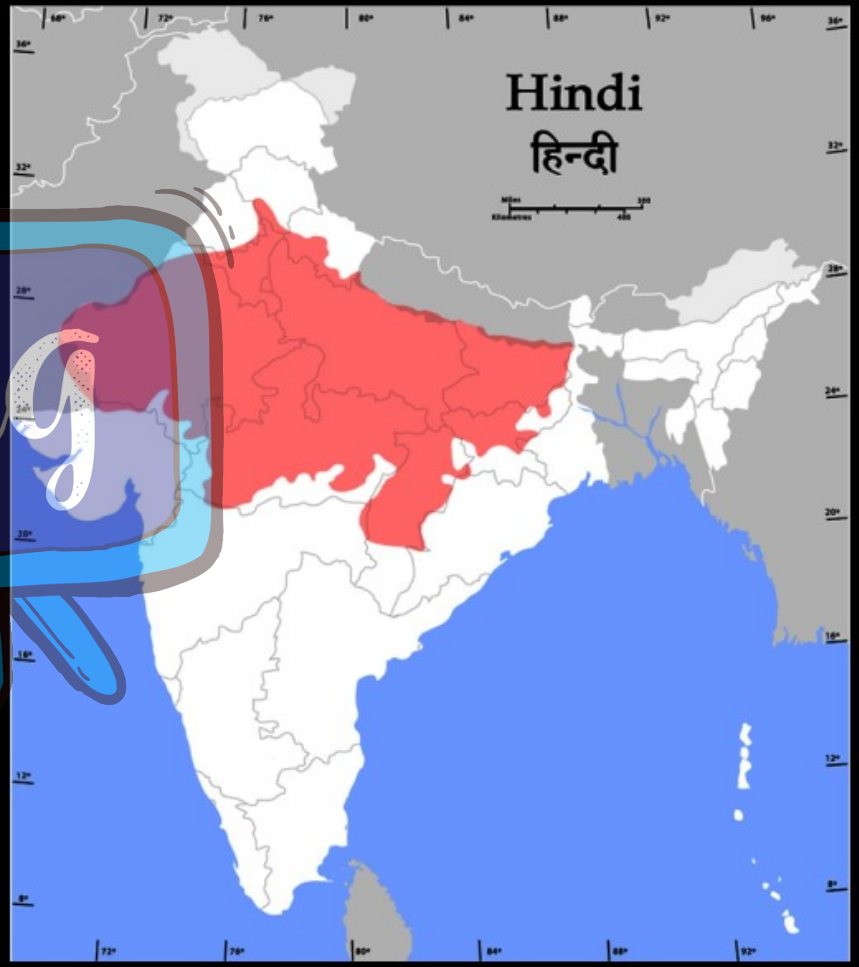
जनगणना – 2011

अनुसूचित भाषाओं में हिंदी बोलने वालों का प्रतिशत सर्वाधिक

लघुतम भाषा वर्ग संस्कृत, बोडो तथा मणिपुरी बोलने वाले

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नोट

देश में भाषाई प्रदेशों की सीमाएँ सुनिश्चित और स्पष्ट नहीं हैं बल्कि उनका अपने-अपने सीमांत प्रदेशों में क्रमिक विलय और अध्यारोपण हो जाता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भाषाई वर्गीकरण

प्रमुख भारतीय भाषाओं के चार भाषा परिवार

1. आस्ट्रिक (निषाद) : 1.38%

2. द्रविड़ : 20%

3. चीनी-तिब्बती (किरात) : 0.85%

4. भारतीय-यूरोपीय (आर्य) : 73%

आस्ट्रिक (निषाद) परिवार

उप-परिवार :-

- आस्ट्रो-एशियाई
- आस्ट्रो-नेसियन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आस्ट्रो-एशियाई



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आस्ट्रो-एशियाई



आस्ट्रो-नेसियन

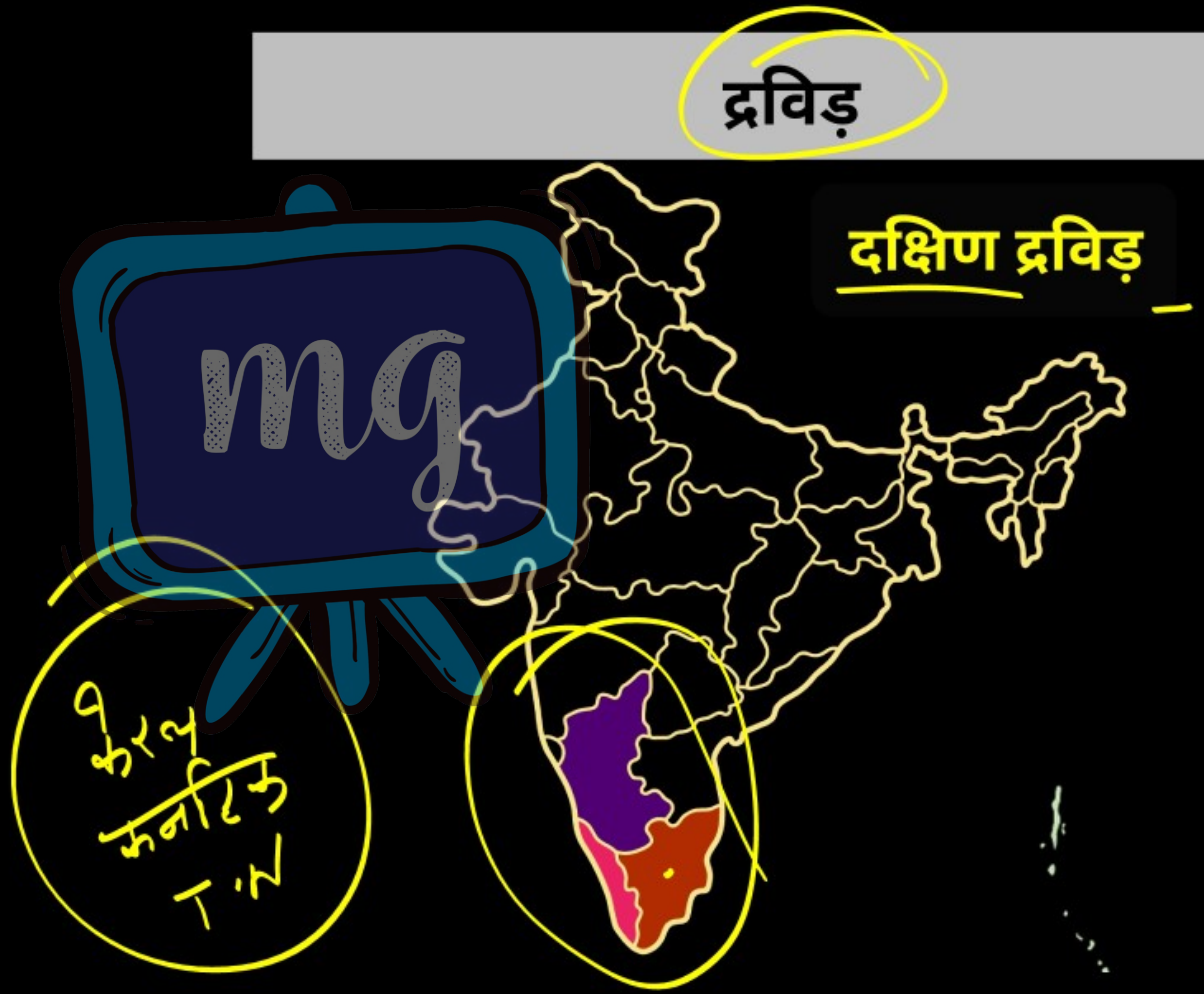
भारत के बाहर



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

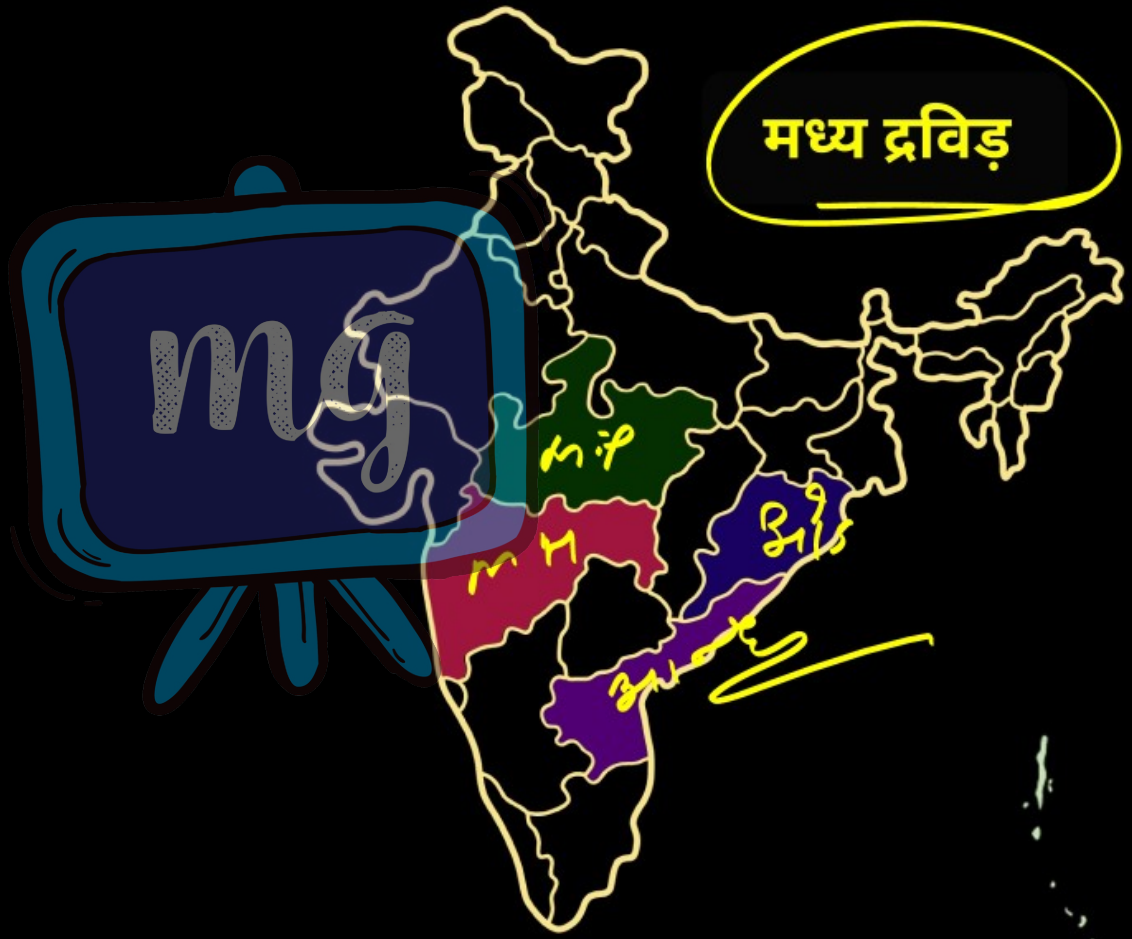
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

द्रविड़



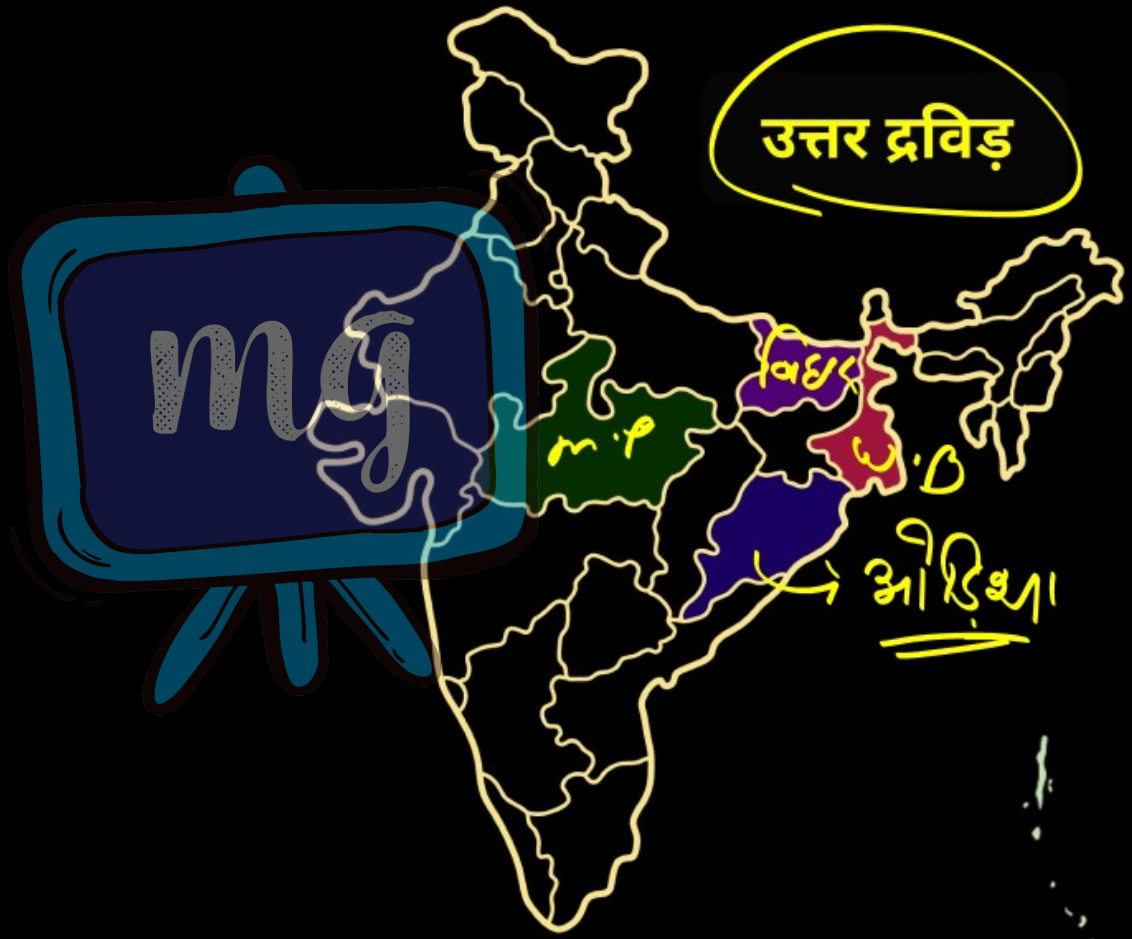
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चीनी-तिब्बती (किरात)

तिब्बती-म्यांमारी

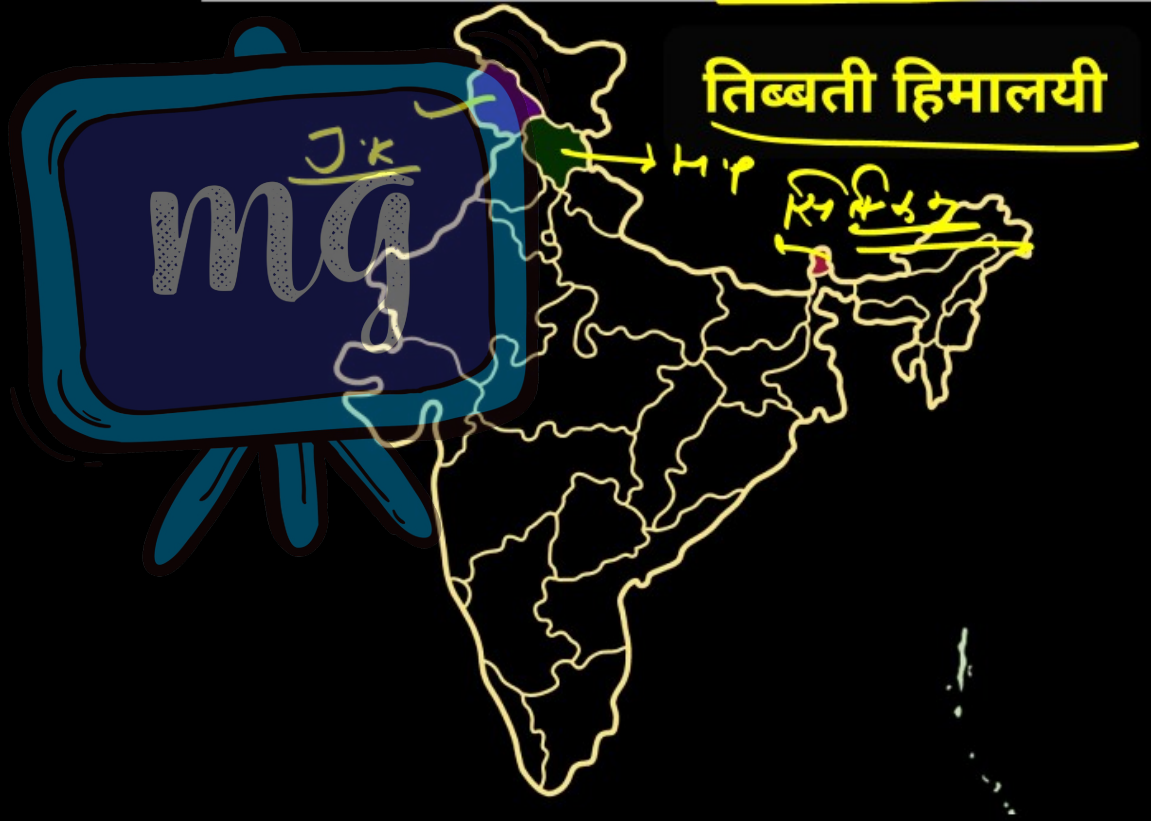
सियामी-चीनी

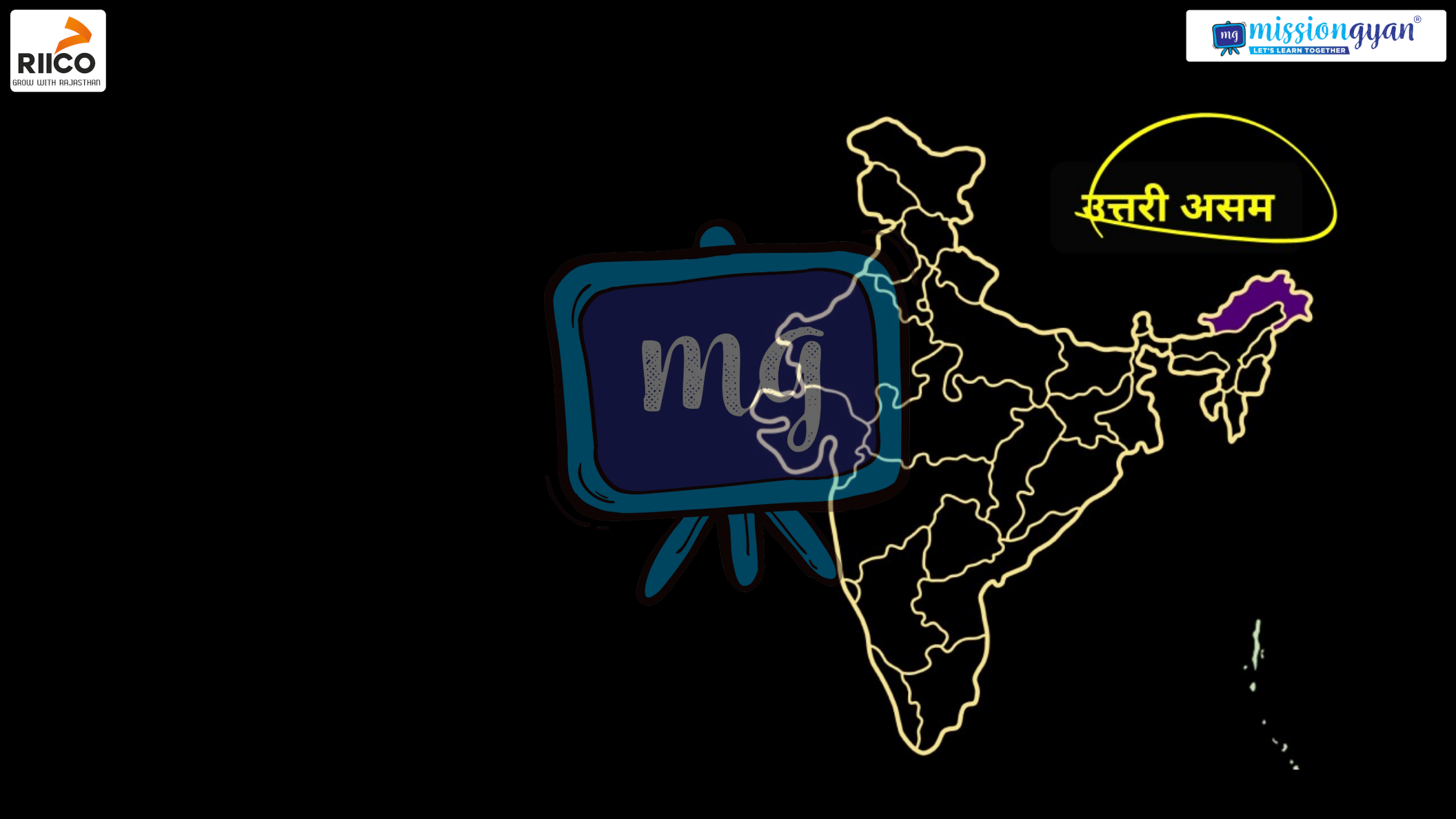


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

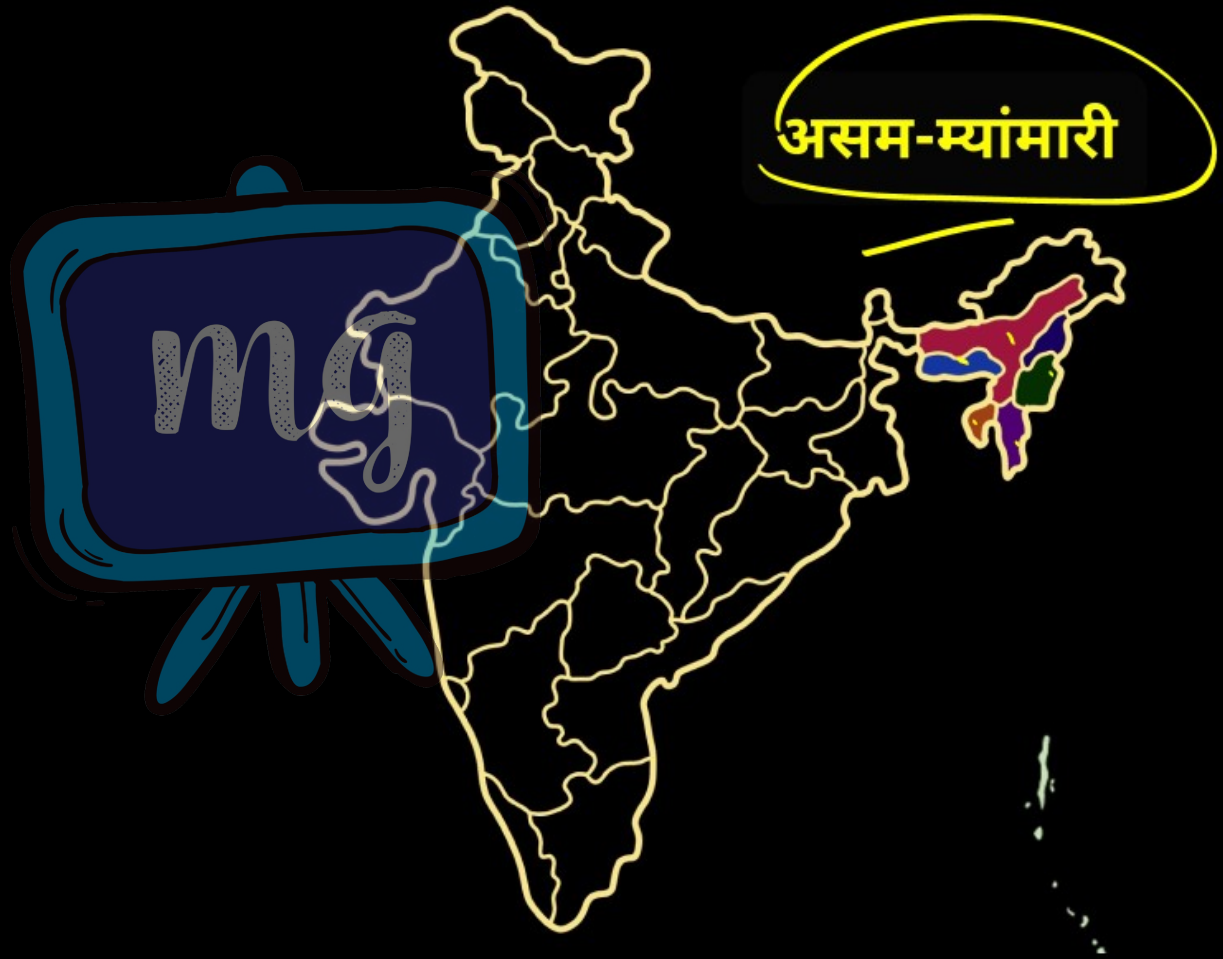
चीनी-तिब्बती (किरात)




उत्तरी असम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारतीय-यूरोपीय (आर्य)

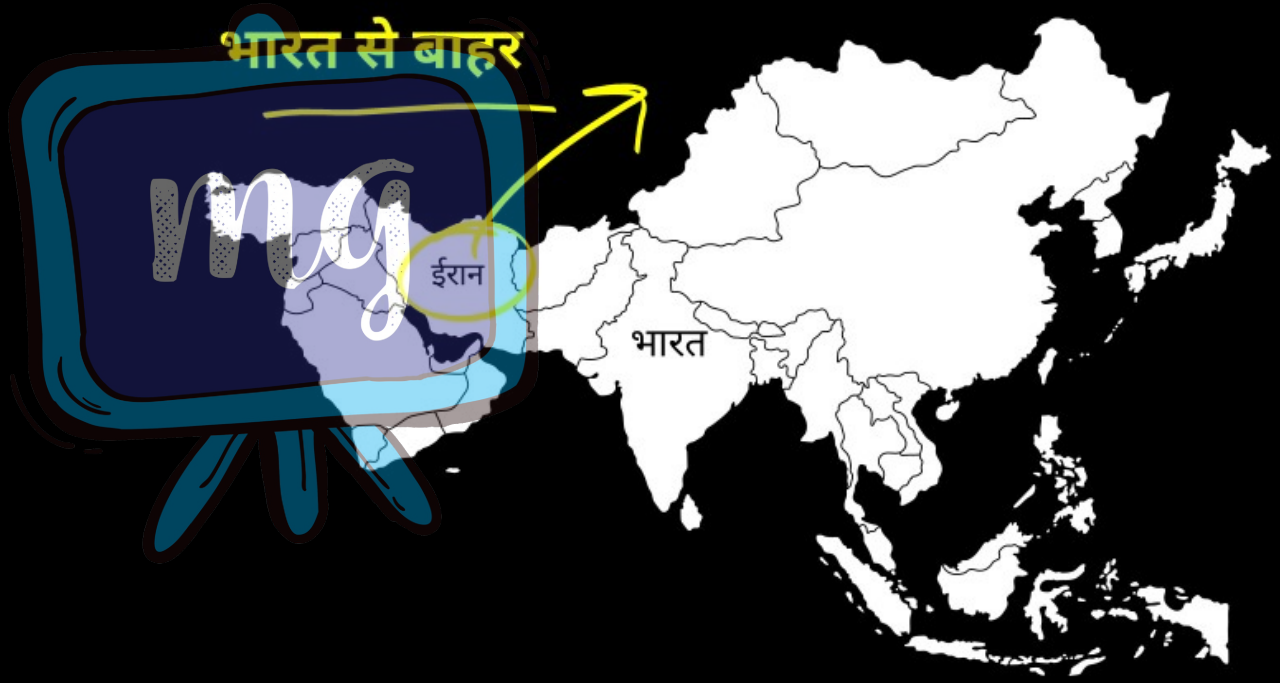
इंडो-आर्य

- इरानी (फारसी)
- दरदी
- भारतीय आर्य

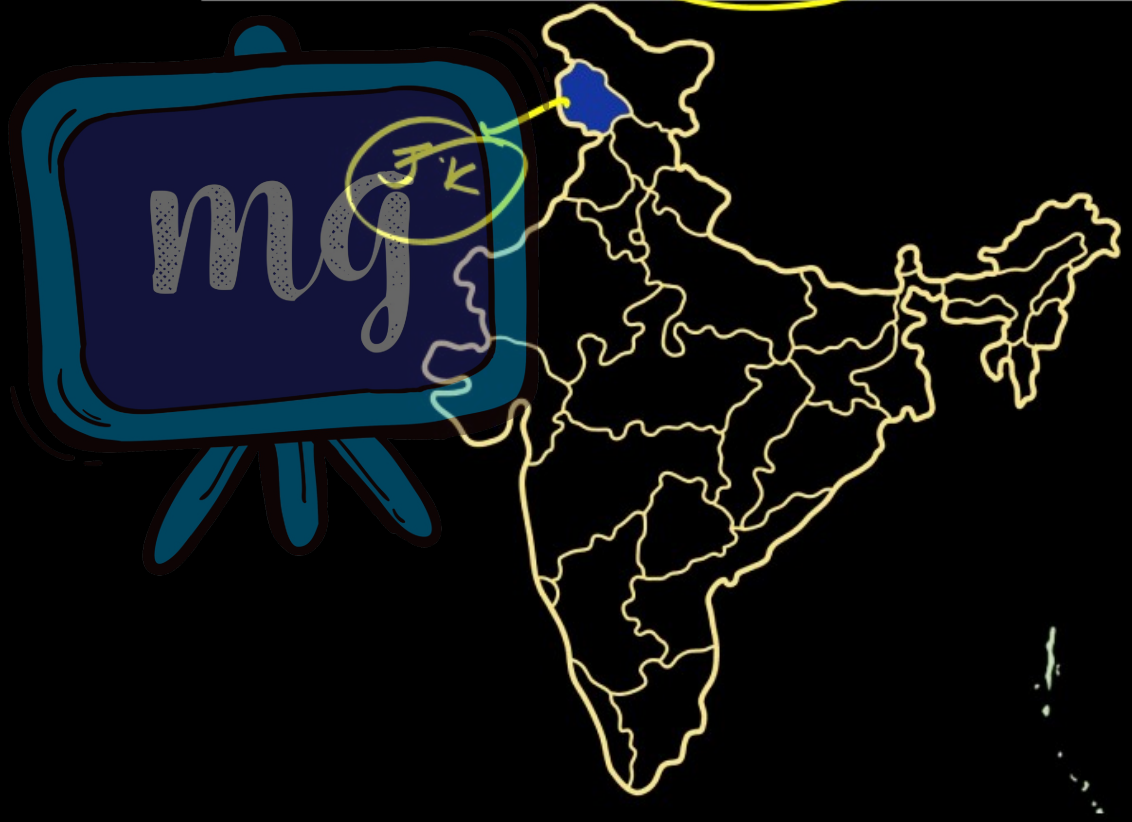
भारतीय-यूरोपीय (आर्य)



इरानी (फारसी)



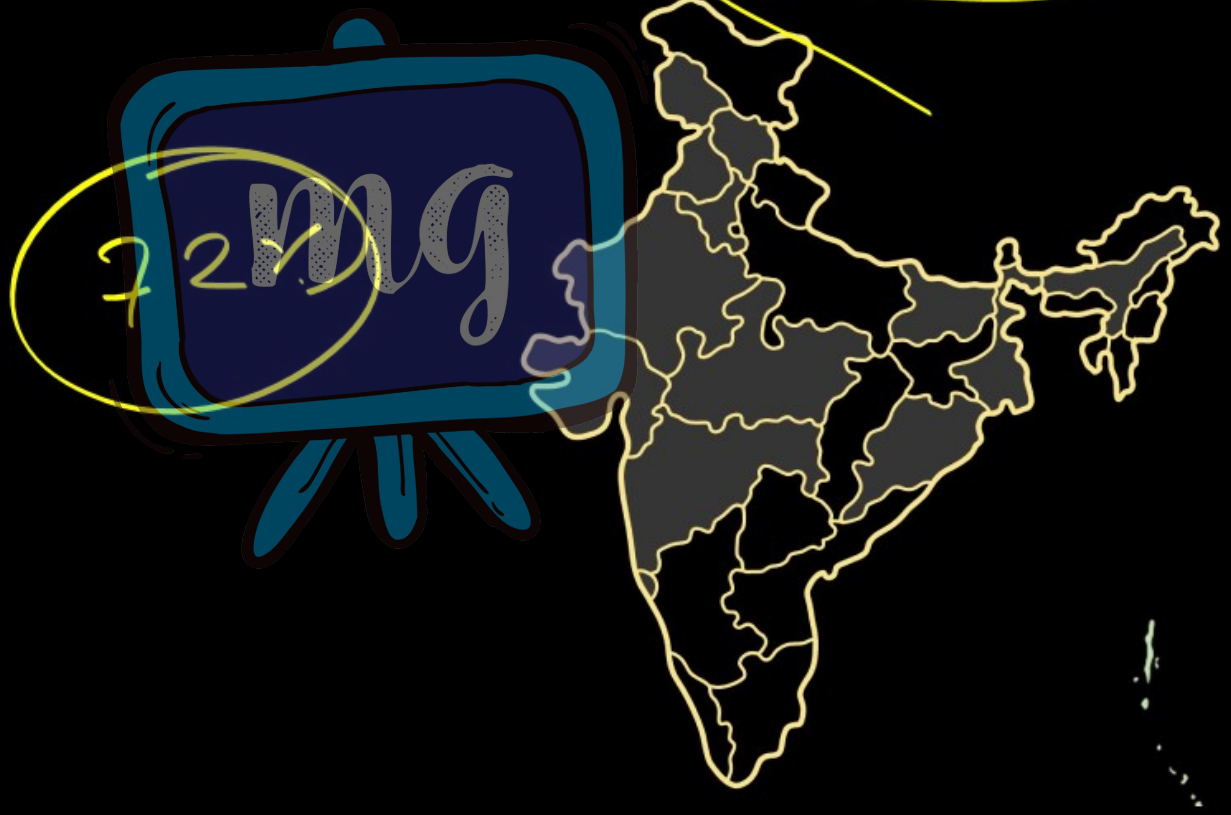
दरदी



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारतीय आर्य



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

धार्मिक संघटन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

धार्मिक संघटन

धर्म भारतीयों के सांस्कृतिक और राजनीतिक जीवन को प्रभावित करने वाला प्रमुख बल

धर्म परिवार और सामुदायिक जीवन के लगभग सभी पक्षों में आभासी रूप से व्याप्त

भारत के धार्मिक समुदाय - 2011

धार्मिक समुदाय	2011	
	जनसंख्या (मिलियन में)	कुल प्रतिशत
हिंदू	966.3	79.8
मुस्लिम	172.2	14.2
ईसाई	27.8	2.3
सिक्ख	20.8	1.7
बौद्ध	8.4	0.7
जैन	4.5	0.4
अन्य धर्म	7.9	0.7
धर्म ज्ञात नहीं	2.9	0.2

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

धार्मिक समुदायों का स्थानिक वितरण



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

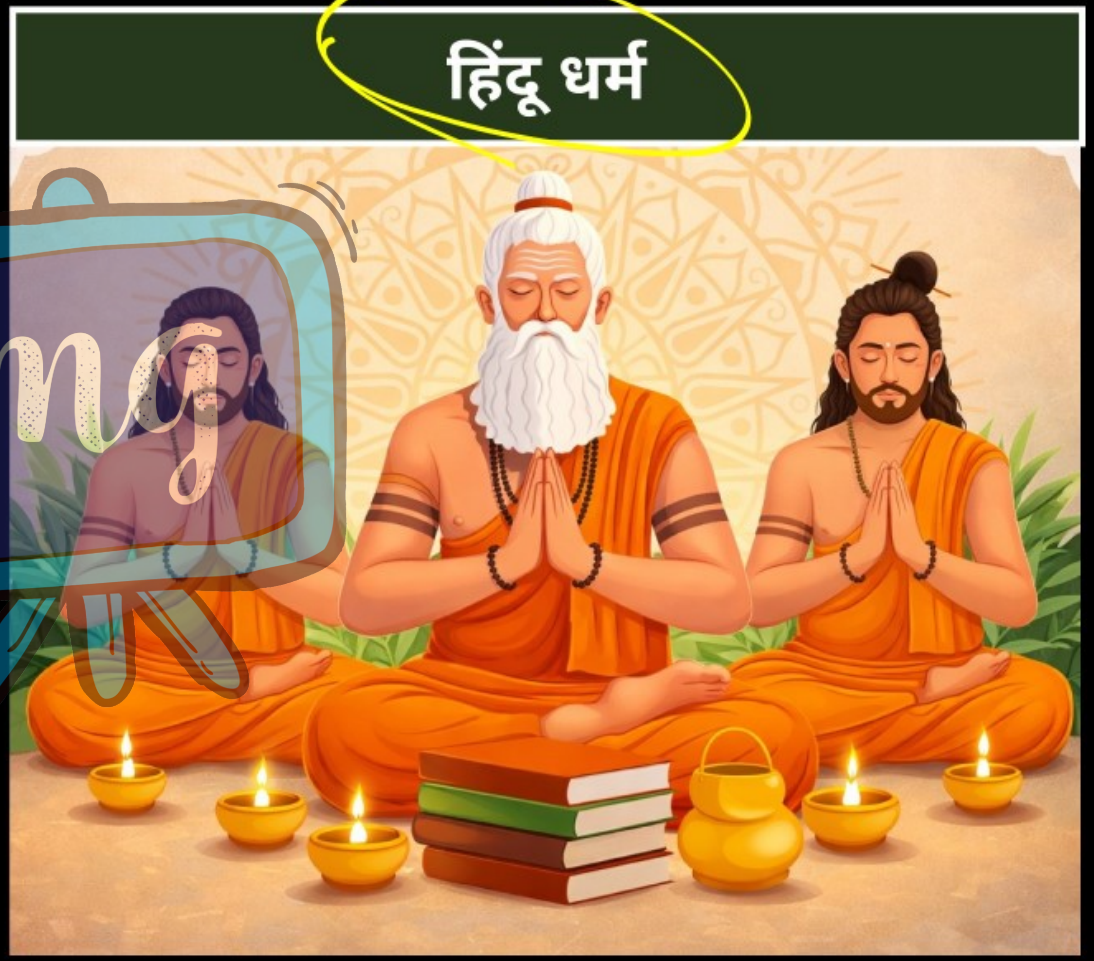
धार्मिक समुदायों का स्थानिक वितरण

कुछ निश्चित राज्यों और जिलों में
एक धर्म की संख्यात्मक प्रबलता विशाल

जबकि उसी का दूसरे राज्यों में
प्रतिनिधित्व नगण्य



हिंदू धर्म



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

हिंदू धर्म

- भारत का सबसे बड़ा धार्मिक समूह
- क्षेत्र जहाँ हिंदू प्रमुख समूह के रूप में वितरित नहीं :-
  - भारत-बांग्लादेश सीमा से संलग्न ज़िले
  - भारत-पाक सीमा से संलग्न ज़िले
  - जम्मू-कश्मीर व उत्तर-पूर्व के पर्वतीय राज्य
  - दक्कन पठार व गंगा के मैदान के प्रकीर्ण क्षेत्र

मुस्लिम धर्म



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अल्पसंख्यक – 6

1. मुस्लिम
2. क्रिश्चन
3. जैन
4. बौद्ध
5. पारसी
6. यहूदी

मुस्लिम धर्म

- विशालतम धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय
- मुस्लिम धर्म का सांद्रण :-

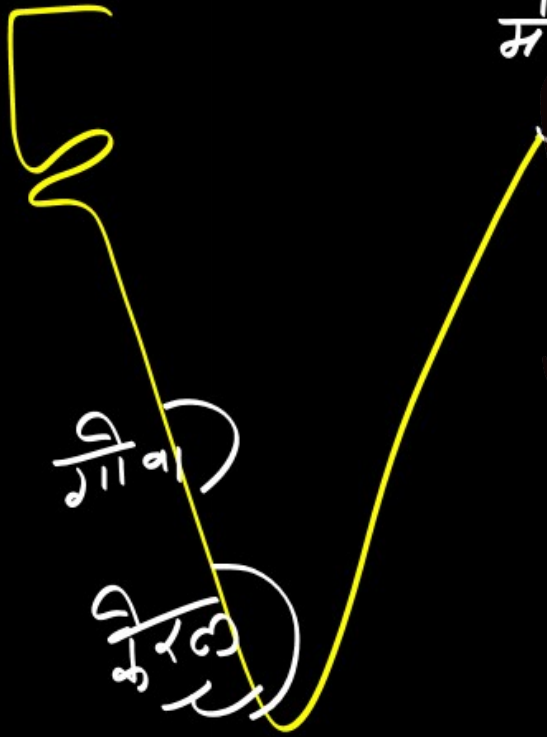
जम्मू-कश्मीर के कुछ जिले	पश्चिम बंगाल के कुछ जिले	केरल के कुछ जिले
उत्तर प्रदेश के अनेक जिले	दिल्ली व आस-पास के क्षेत्र	लक्षद्वीप समूह

ईसाई धर्म



ईसाई धर्म

- अधिकांशतः देश के ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित
- मुख्य सांद्रण :-
  - पश्चिमी तट के साथ गोआ एवं केरल
  - मेघालय, मिजोरम और नागालैंड
  - छोटानागपुर क्षेत्र
  - मणिपुर की पहाड़ियाँ



सिक्ख धर्म



सिक्ख धर्म

- देश के अपेक्षाकृत छोटे क्षेत्र में संकेंद्रित
- पंजाब, हरियाणा और दिल्ली

जैन धर्म



जैन धर्म

प्रमुख संकेंद्रण राजस्थान के नगरीय क्षेत्रों, गुजरात और महाराष्ट्र में



बौद्ध धर्म



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बौद्ध धर्म

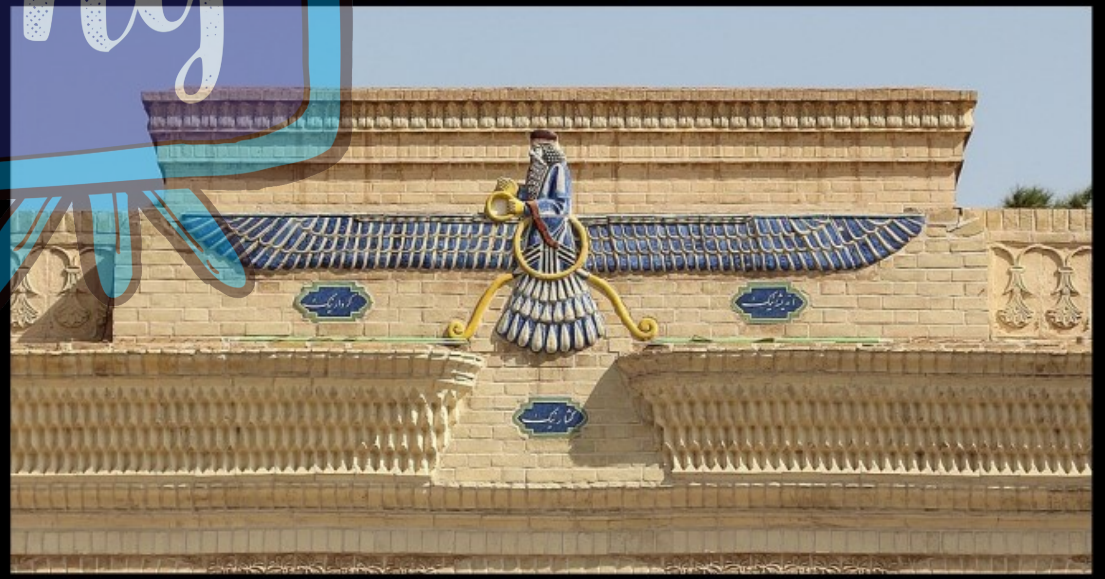
- अधिकांशतः महाराष्ट्र में संकेंद्रित
- अन्य क्षेत्र :-
  - सिक्किम
  - अरुणाचल प्रदेश
  - लद्दाख
  - त्रिपुरा
  - लाहुल और स्पिति → H.P

भारत के अन्य धर्म

जरतुश्त (पारसी)

जनजातीय

अन्य देशज निष्ठाएँ और विश्वास



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

धर्म और भू-दृश्य

- धर्म भू-दृश्य को सांस्कृतिक व आध्यात्मिक आयाम प्रदान करता है।
- भू-दृश्य पर धर्म की औपचारिक अभिव्यक्ति स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।
- पवित्र संरचनाएँ धार्मिक पहचान का प्रमुख आधार हैं।

- कब्रिस्तान भी धार्मिक भू-दृश्य का महत्वपूर्ण तत्व हैं।
- धार्मिक विश्वासों से जुड़े पौधे व प्राणी भू-दृश्य को प्रभावित करते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पवित्र संरचनाएँ और उनका प्रभाव

- मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, गिरिजाघर, मठ प्रमुख पवित्र संरचनाएँ
- पवित्र संरचनाएँ पूरे देश में व्यापक रूप से विस्तृत
- ग्रामीण क्षेत्रों में साधारण समाधियाँ
- शहरी क्षेत्रों में विशाल व आकर्षक धार्मिक भवन
- संरचनाओं के आकार, संख्या व स्थान-प्रयोग में क्षेत्रीय भिन्नता
- धार्मिक संरचनाओं द्वारा क्षेत्र के भू-दृश्य को विशिष्ट पहचान

श्रमजीवी जनसंख्या का संघटन



श्रमजीवी जनसंख्या का संघटन

आर्थिक स्तर की दृष्टि से भारत की जनसंख्या



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मुख्य श्रमिक : एक वर्ष में कम से कम 183 दिन (या छः महीने) काम करने वाला

सीमांत श्रमिक : एक वर्ष में 183 दिन (या छः महीने) से कम दिन काम करने वाला

जनगणना - 2011

- श्रमिकों का अनुपात : 39.8 प्रतिशत
- अश्रमिकों का अनुपात : 60 प्रतिशत



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

भारत में एक बड़ा अनुपात आश्रित जनसंख्या का है, जो आगे, बेरोज़गार और अल्प रोज़गार प्राप्त लोगों की बड़ी संख्या के होने की संभावना की ओर इशारा करता है।



श्रम की प्रतिभागिता दर

श्रमजीवी जनसंख्या का अनुपात :

लक्षद्वीप ~ 29.1%

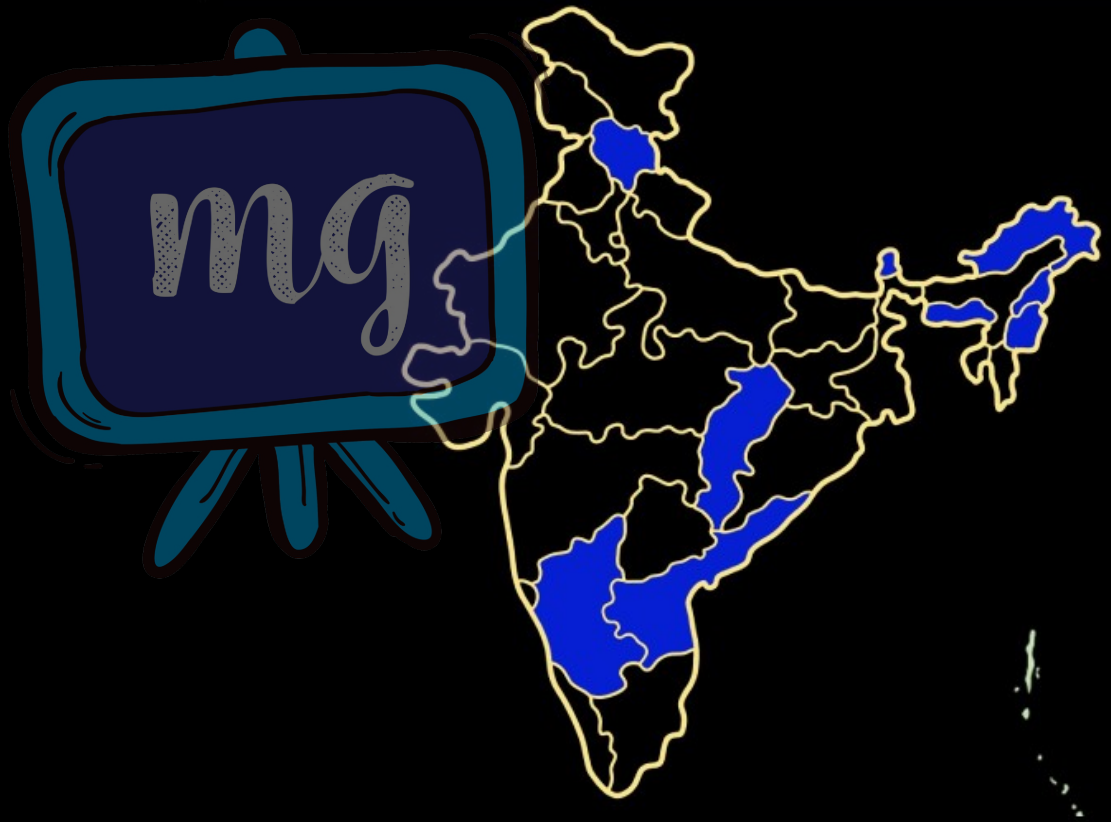
हिमाचल प्रदेश ~ 51.9%



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अधिक श्रम प्रतिभागिता दर वाले राज्य



अधिक श्रम प्रतिभागिता दर वाले केंद्र शासित प्रदेश



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

- भारत जैसे देश के संदर्भ में ऐसा समझा जाता है कि आर्थिक विकास के निम्न स्तरों वाले क्षेत्रों में श्रम की सहभागिता दर ऊँची है
- निर्वाह अथवा लगभग निर्वाह की आर्थिक क्रियाओं के निष्पादन के लिए अनेक कामगारों की ज़रूरत पड़ती है।

भारत की जनसंख्या का व्यावसायिक संघटन

द्वितीयक और तृतीयक सेक्टरों की तुलना में प्राथमिक सेक्टर के श्रमिकों का एक बड़ा अनुपात



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यावसायिक संवर्ग

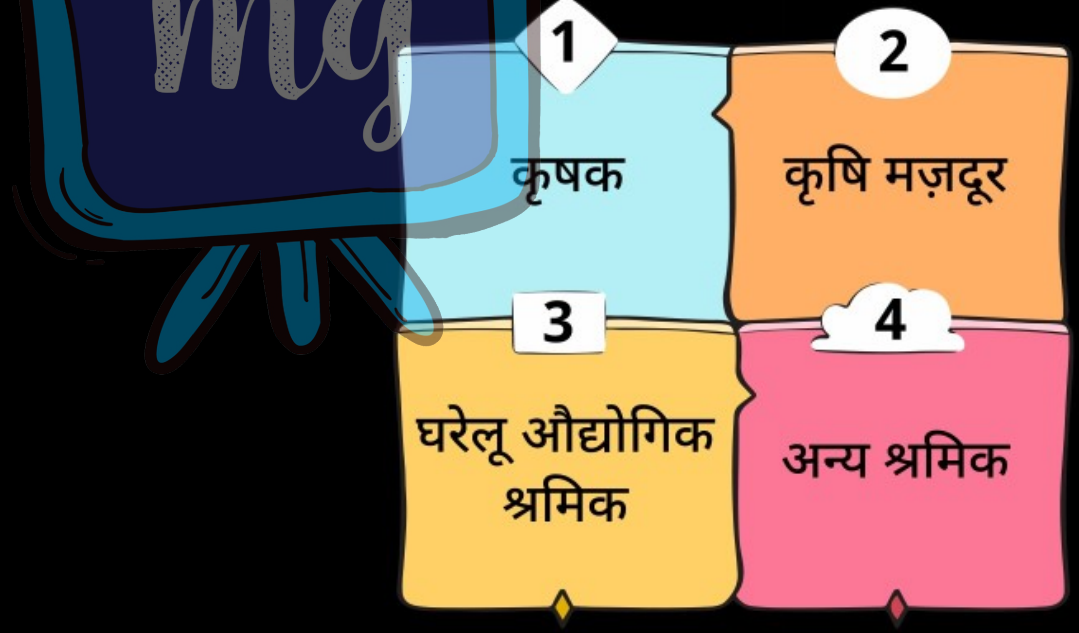


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यावसायिक संवर्ग

सन् 2011 की जनगणना ने भारत की श्रमजीवी जनसंख्या को चार प्रमुख संवर्गों में बाँटा है :



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

श्रमजीवी जनसंख्या

- 54.6 प्रतिशत कृषक और कृषि मजदूर
- 3.8 प्रतिशत श्रमिक घरेलू उद्योगों में
- 41.6 प्रतिशत अन्य श्रमिक :-

गैर-घरेलू उद्योगों, व्यापार, वाणिज्य, विनिर्माण और मरम्मत तथा अन्य सेवाओं में कार्यरत

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. पुरुष श्रमिकों की संख्या स्त्री श्रमिकों की संख्या से तीनों सेक्टरों में अधिक
2. महिला श्रमिकों की संख्या प्राथमिक सेक्टर में अपेक्षाकृत अधिक
3. विगत वर्षों में महिलाओं की द्वितीयक और तृतीयक सेक्टरों की सहभागिता में सुधार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में श्रम-शक्ति का सेक्टर-वार संघटन, 2011

संवर्ग	जनसंख्या			
	व्यक्ति	कुल श्रमिकों का %	पुरुष	स्त्री
प्राथमिक	26,30,22,473	54.6	16,54,47,075	9,75,75,398
द्वितीयक	1,83,36,307	3.8	97,75,635	85,60,672
तृतीयक	20,03,84,531	41.6	15,66,43,220	4,37,41,311

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अर्थव्यवस्था में सेक्टरीय स्थानांतरण

- एक सेक्टर के श्रमिकों का अन्य सेक्टर में संलग्न होना
- भारत में कृषि सेक्टर के श्रमिकों का अनुपात
  - 2001 में 58.2%
  - 2011 में 54.6%
- द्वितीयक और तृतीयक सेक्टर में सहभागिता दर में वृद्धि
- श्रमिकों की खेत-आधारित रोज़गारों पर निर्भरता से गैर-खेत आधारित रोज़गारों पर निर्भरता

भारत में श्रम-शक्ति का सेक्टर-वार संघटन, 2011

- विभिन्न सेक्टरों में श्रम सहभागिता दर की स्थानिक भिन्नता
- कृषकों की संख्या बहुत अधिक
- कृषि मज़दूरों की संख्या अधिक
- सेवा क्षेत्र के श्रमिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

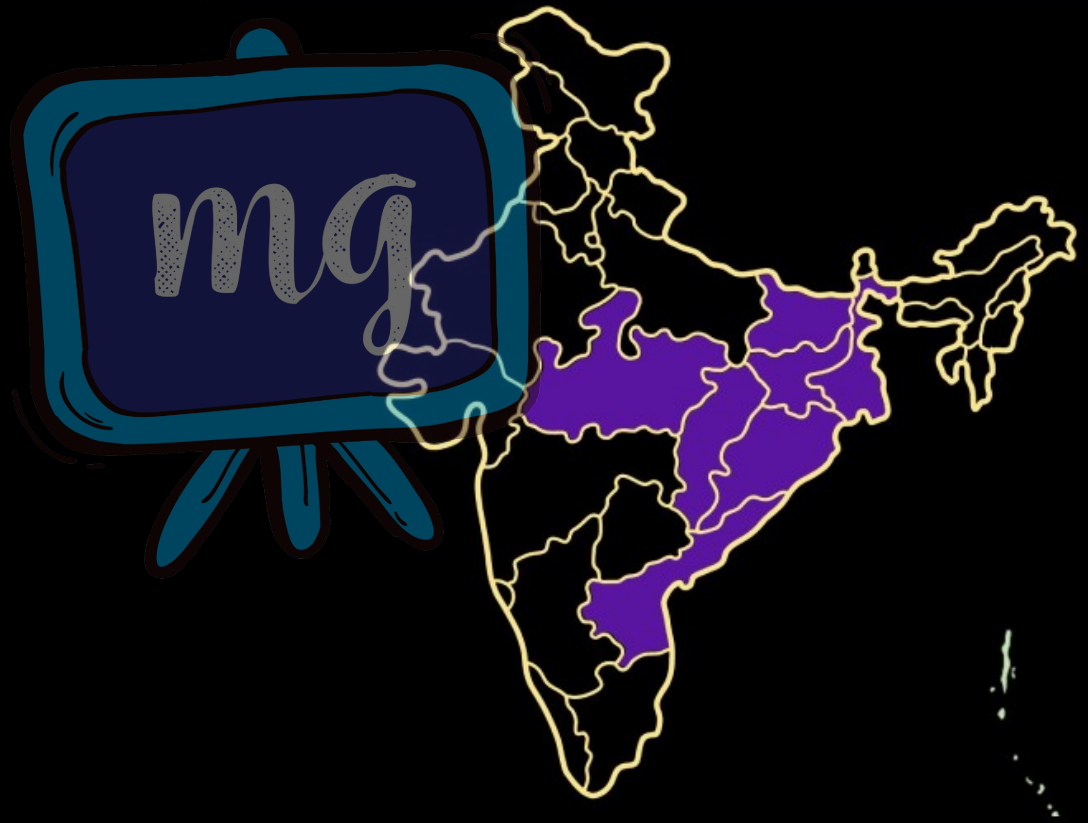
कृषकों की संख्या बहुत अधिक



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि मज़दूरों की संख्या अधिक



सेवा क्षेत्र के श्रमिक

दिल्ली, चंडीगढ़ और पुडुच्चेरी जैसे अत्यधिक नगरीकृत क्षेत्रों में



बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

सामाजिक अभियान के द्वारा जेंडर के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा



समाज का प्राकृतिक और जैविक विभाजन

पुरुष

महिला

ट्रांसजेंडर



सामाजिक भूमिकाएँ और संस्थाएँ

सामाजिक भूमिकाओं का निर्धारण समाज द्वारा

सामाजिक संस्थाओं द्वारा भूमिकाओं का सुदृढीकरण



जैविक विभिन्नताएँ

सामाजिक भेदभाव, अलगाव तथा बहिष्कार का आधार



आधी से ज़्यादा जनसंख्या का बहिष्करण किसी भी विकासशील और सभ्य समाज के लिए एक गंभीर समस्या है।

वैश्विक दृष्टिकोण (UNDP)

जेंडर बहिष्करण एक वैश्विक चुनौती

UNDP (HDR 1995) : सभी जेंडर के बिना विकास लुप्तप्राय



मानवाधिकार और समानता

जेंडर आधारित भेदभाव मानवता के विरुद्ध अपराध

समान शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक अवसर आवश्यक



समान अवसरों की आवश्यकता

समान कार्य के लिए समान वेतन

स्वाभिमान के साथ जीवन का अधिकार



सभ्य समाज की पहचान

भेदभाव दूर करने के लिए प्रभावी कदम आवश्यक

भेदभाव न मिटाने वाला समाज सभ्य नहीं



भारत सरकार की पहल

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सामाजिक अभियान

भेदभाव के दुष्प्रभावों को ध्यान में रखकर शुरुआत

